AgroStar®

# CRUZER PLUS

**Thiamethoxam 30 % FS**

SYSTEMIC INSECTICIDE

# क्रूज़रप्लस

**थायामेथोक्साम ३० प्रतिशत एफ एस**

**अंर्तप्रवाही कीटनाशक**

**For Agricultural Use Only**
**केवल कृषि उपयोग के लिए**

## INSTRUCTIONS
READ THE LEAFLET BEFORE USE

## सुचना
उपयोग से पहले पत्रक पढ़ें।


Manufactured & Marketed by
**ULINK AGRITECH PRIVATE LIMITED**
Office Nos. 001 And 002, Ground Floor Wing "A" And Nos. 003 And 004, Ground Floor Wing "B", Nyati Tech Park, Wadgaon Sheri, Pune - 411014, Maharashtra

Manufactured At

| Unit Code | Factory Address | Mfg. Lic. No. |
|---|---|---|
| AGK | Unit **I** - Shed No 73/B, Survey No 73, Juni Jithardi, Taluka Karjan, Vadodara, Gujarat - 391240 | GJ-AHM-01213 |
| AGP | Unit **II** - Facility B-1, Plot No. 238/1/A, GIDC Estate Panoli, Ankleshwar, Bharuch Gujarat-394115 | GJ-BHA-01485 |
| AGB | Unit **III** - Khasra No. 713/4, Gram Dahmi Khurd, The. Sanganer, Bagru, Jaipur - 303007. | ML/JDPP/2025-26/221 |

Check first 3 letters of batch number for Plant & Manufacturing License number, where it is manufactured.

## Thiamethoxam 30% FS
## (Systemic Insecticide)

Thiamethoxam 30 % FS is broad- spectrum systemic insecticide that is well suited for seed treatement used to control early season sucking pests. Recommended as seed treatment to control Jassids, aphids and Whitefly in cotton, shoot fly on sorghum and Maize, termites in wheat, jassid in okra, Thrips, GLH and Wheol Maggot in rice, jassid and thrips in sunflower, stem fly in soybean and thrips in chilli crop. Due to its fast action on sucking pest, it limits the transmission of leaf curl virus.

**Recommendation:**

| Crop(s) | Common Name of Pest | Dosage/HA | | Dilution in Water (liter) | Waiting Period between last spray to harvest (days) | Re-entry after each Application (in Hours) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | AI (gm per kg seed) | Formulation (ml per kg seed) | | | |
| Chilli | Thrips | 2.1 | 7 | – | – | – |
| Cotton | Jassids, Aphids, Whiteflies | 3 | 10 | – | This is used as seed dresser | – |
| Maize | Shoot Fly | 2.4 | 8 | – | – | – |
| Okra | Jassid | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| Rice | Thrips, GLH, Whorl Maggot | 0.9 | 3 | – | – | – |
| Sorghum | Shoot Fly | 3 | 10 | – | – | – |
| Soybean | Stem fly | 3 | 10 | – | – | – |
| Sunflower | Jassid, Thrips | 3 | 10 | – | – | – |
| Wheat | Termites | 1 | 3.3 | – | – | – |

**Direction Of Use:**
For small lots, mix the required quantity of Thiamethoxam 30 % FS with 10-20 ml of water for each kg of seed to be treated. Add the slurry to the seed and rotate or stir the container(Plastic drum or bag) until the seeds are uniformly covered(usually less than a minute). It is recommended for application as slurry with continuously operating commercial seed dressing equipment. For preparation of slurry, proceed as follows:
1.Put 1/2 of the required water top the mix tank
2. Add the required quantity of Thiamethoxam 30 % FS while stirring continuously.
3. Allow the product to disperse.
4. Switch the agitation system or stir manually.
5. Top up with the remaining volume of water.
6. Maintain agitation of the slurry during the whole time of use.
7. The slurry has to be used within 24 hours after preparation.

Application Procedure:
1. Prepare this slurry as descried.
2. Fill the seed into the receptacle.
3. Start mixing the seed.
4. Apply the required amount of slurry by pouring onto the mixing seed.
5. Mix for about 30 seconds to one minutes to achieve a homogenous treatment. An extended mixing will lead to abrasion and dust forming.

**Time of Application:**
Refer to CIB Guidelines.

**Precautions:**
Do not use cooking utensils for preaparing slurry. Use stick for stirring the slurry solution. Avoid contact with skin, eyes and clothing. Aviod inhalation of fog and vapours. Wear hand gloves to avoid contact with the skin. Wear protective clothing, mask goggles and boots, while mixing. Do not eat, drink or smoke while handling or applying the product. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. Also wash the contaminated clothes.

**Symptoms Of Poisoning:**
Possoning may cause symptoms of decrease in spontaneous movement, toxic convulsion and ptosis.

**First Aid:**
Remove the affected person to a well-ventilated area or fresh air and protect him from undercooling.
IN CASE OF SKIN CONTACT: Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap and water.
IN CASE OF EYE CONTACT: Rinse eyes with clean water for several minuites.
IN CASE OF INGESTION: Repeatedly administer medicinal charcoal in a large quantity of water.
NOTE: Never give anything by mouth to an unconscious person. Do not induce vomiting.

**Phytotoxicity:**
No phytotoxic, if applied as per recommendation.

**Antidote:**
No specifice antidote is known. Apply symptomatic therapy.

**Disposal Of Used Container:**
1. Packages or surplus materials and washings from the machines and containers should be disposed off in a safe manner
as to prevent environmental and water pollution.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.
3.Packages shall be broken and burried away from habitation.

**Storage Conditions:**
1. The packages containing the insecticides should be stored in original containers in sparate rooms or premises away from the rooms or premised used for storing other articles particularly articles of food or shall e kept in separate almirahs under lock and key.
2. The rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to aviod contamination with vapour.

**Chemical Composition:**

| S. No. | Ingredient | Description | Weight |
|---|---|---|---|
| 1 | Thiamethoxam a.i. | - | 30.00% w/w |
| 2 | Glycerine | - | 5.10% w/w |
| 3 | Monaza dye | (Irgalith Red C 2 B) | 3.40% w/w |
| 4 | Copolymer of butanol | - | 4.30% w/w |
| 5 | 1,2-Benzisothiazole-3-one | - | 0.20% w/w |
| 6 | Polyethylene glycol | - | 2.60% w/w |
| 7 | Water | - | Q.S.% w/w |
| | **Total** | - | **100% w/w** |

**Caution: "Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet."**

## थायामेथोक्साम 30 प्रतिशत एफ एस
## (अंर्तप्रवाही कीटनाशक)

थायामेथोक्साम 30 प्रतिशत एफ एस एक बहुउपयोगी अंर्तप्रवाही कीटनाशक है जो बीज उपचार करने से फसल के आरंभ में आने वाले चूषक कीटों को नियंत्रित करती है। इसकी आवश्यक मात्रा कपास की फसल में होने वाले कीट जैसे तेला, माहू और सफेद मक्खी, ज्वार व मक्का की प्ररोह मक्खी, गेहू के दीमक, मिंजी के तेला, धान के कुरहा, हरा पत्ती का फुदका व चक्रीय मैगट, सूरज्मुखी के तेला व चुरदा, सोयाबीन की तना मक्खी तथा मिर्च के कुरदा के नियंत्रण के लिए बीज उपचार करने के लिए सिफारिश की जाती है। चूषक कीटों पर शीघ्र असर होने के कारण, यह पत्ता मोड़क रोग होने से रोकती है।

**उपयोग:**

| फसल | कीट का सामान्य नाम | प्रति हैक्टेयर मात्रा | | पानी की मात्रा (लीटर) | अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन) | पुन: प्रवेश की अवधि छिड़काव के बाद (घंटे) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सक्रिय तत्व (ग्राम प्रति हैक्टा बीज) | संरूपण (मि.ली. प्रति हैक्टा बीज) | | | |
| मिर्च | चुरदा | 2.1 | 7 | – | – | – |
| कपास | तेला, माहो, सफेद मक्खी | 3 | 10 | – | यह बीज उपचार के लिए प्रयोग किया जाता है। | – |
| मक्का | प्ररोह मक्खी | 2.4 | 8 | – | – | – |
| भिंडी | तेला | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| धान | चुरदा, हरा पत्ती का फुदका, चक्रीय मगेट | 0.9 | 3 | – | – | – |
| ज्वार | प्ररोह मक्खी | 3 | 10 | – | – | – |
| सोयाबीन | तना मक्खी | 3 | 10 | – | – | – |
| सूरज्मुखी | तेला, चुरदा | 3 | 10 | – | – | – |
| गेहूं | दीमक | 1 | 3.3 | – | – | – |

**उपयोग केलिए दिशा-निर्देश:**
छोटी डेरी के लिए, इसकी आवश्यक मात्रा को उपचारित किए जाने वाले हर किलो बीज के लिए 10–20 मि.ली. पानी मिलाऐं। इस गाढ़े घोल को बीजों के साथ मिलाकर किसी डिब्बे (प्लास्टिक का पीपा या प्लास्टिक की थैली) को अच्छी तरह से तब तक (आमतौर पर एक मिनट से कम) हिलाएँ जब तक बीज पूरी तरह से थायामेथोक्साम 30 प्रतिशत एफ एस से मिल न हो जाए। यह सलाह दी जाती है कि थायामेथोक्साम 30 प्रतिशत एफ एस का उपयोग गारे के रूप में किया जाए, जिसके दौरान एवास्वायिक बीजोपचार यंत्र सतत चलाया जाना चाहिए, बनाने की विधि नीचे दी गई है।
1. घोल बनाने की टंकी में जरूरत से आधी मात्रा पानी डालें।
2. निर्धारित मात्रा थायामेथोक्साम 30 प्रतिशत एफ एस को हिलाते हुए मिलाइए।
3. उत्पादन को छितर जाने दें।
4. घोलक प्रणाली का स्विच ऑन करें या हाथ से हिलाकर घोलें।
5. घोल में बचा हुआ पानी मिला दें।
6. घोल का उपयोग करते समय उसे हिलाते रहें।
7. घोल बनने के उपरांत, उसे 24 घंटे के अंदर इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

इस्तेमाल का तरीका:
1.ऊपर बताए अनुसार गाढ़ा तैयार करें।
2. बर्तन में बीजों को उलट दें।
3. बीजों को मिलाना शुरू करें।
4. बीजों में घोल की अपेक्षित मात्रा मिलाकर बीजों पर लगने दें।
5. इन्हें करीब 30 सेकंड से एक मिनट तक दें ताकि ये एक समान रूप से उपचारित हो जाएँ। ज्यादा देर तक मिलाने से बीजों पर रगड़ लगेगी तथा धूल जमने लगेगी।

**प्रयोग का समय :**
सी.आई.बी. दिशानिर्देशों का पालन करें।

**प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियाँ:**
छिड़काव तैयार करने के लिए खाना पकाने के बर्तनों का इस्तेमाल नहीं कीजिए। छिड़काव के घोल को हिलाने के लिए लकड़ी का उपयोग करें। त्वचा को छिड़काव स्पर्श से बचाव के लिए दस्ताने पहनें। सांस के साथ अंदर लेने और आँखों के संपर्क से भी बचें। छिड़काव करते समय सुरक्षात्मक कपड़े जैसे मास्क, चश्मा, बूट्स आदि पहनें। उत्पाद को उठाते, रखते या प्रयोग करते समय खाना, पीना या धूम्रपान नहीं करना चाहिए। कार्य समाप्त होने के बाद हाथों को साबुन और ज्यादा पानी से धोइएँ। पहने हुए कपड़े बदल लें और उन्हें अच्छी तरह से धोइएँ।

**विष के लक्षण:**
विष के लक्षण से शरीर में दौलापन, मिर्गी जैसे झटके और ट्रोसिस हो सकते हैं।

**प्राथमिक चिकित्सा:**
प्रभावित व्यक्ति को प्रदूषित जगह से हवादार कमरे या खुली हवा में ले जाएँ और तापमान से बचाएँ। विष बाधा के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक को बुलाइए। त्वचा में लगने पर: प्रदूषित कपड़ों को उतार दें तथा शरीर के प्रभावित हिस्सों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएँ। आँखों में चले जाने पर आँखों को कुछ देर तक साफ पानी से अच्छी तरह छपछपाइए। निगल जाने पर पानी में मेडिसिनल चारकोल की काफी मात्रा घोलकर बार-बार दें। सूचना: कभी भी मूर्छित मरीज को मुँह से कुछ भी नहीं देना चाहिए। उल्टी कराने की कोशिश न करें।

**पौध विषाक्तता:**
निर्धारित मात्रा अनुसार प्रयोग करने पर पौध विषाक्त नहीं है।

**विष नाशक:**
कोई विशेष प्रतिविष नहीं। लक्षणों के अनुसार उपचार करें।

**खाली डिब्बों का निपटारा:**
1. पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए डिब्बों, बचा हुआ घोल/पदार्थ, मशीनों की धोवन और खाली डिब्बों का निपटारा सुरक्षित स्थान पर करें।
2. उपयोग किए गए डिब्बों/पैकेटों को वैसे ही बाहर नहीं छोड़ देना चाहिए। इस प्रकार उनका दोबारा उपयोग किया जा सकता है।
3. डिब्बों/पैकेटों को तोड़-मोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ दिना चाहिए।

**संग्रहण की शर्तें:**
1. कीटनाशक के डिब्बों को अन्य सामग्री खाने के संग्रहण के लिए उपयोग किए जा रहे कमरों या इमारतों से दूर अलग कमरों या इमारतों में अथवा अलग से ताला बंद अलमारियों में रखना चाहिए।
2. कीटनाशकों के संग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाले कमरे या इमारतें मजबूत, सूखी, प्रकाशित तथा हवादार होने चाहिए तथा उनमें पर्याप्त स्थान होना चाहिए ताकि वाष्प से प्रदूषण न हो सके।

## થાયામેથોક્સામ 30 ટકા એફ એસ
## (અંતરપ્રવાહી કીટનાશક)

થાયામેથોક્સામ 30 ટકા એફ એસ એક બહુઉપયોગી અંતરપ્રવાહી કીટનાશક છે. જે બીજ સારવાર કરવાથી પાકના શરૂઆતના તબક્કામાં આવતા ચૂસક જીવાતોનું નિયંત્રણ કરે છે. તેની ભલામણ કપાસમાં થતી તેલા, માહુ અને સફેદ માખી, જુવાર અને મકાઈમાં પ્રરોહ માખી; ઘઉંમાં દીમક; ભીંડામાં તેલા; ધાનમાં ચુરડા, લીલો પાંદડાનો કુદકો અને ચક્રિય મગ; સૂર્યમુખીમાં તેલા અને ચુરડા; સોયાબીનમાં તણા માખી તથા મરચામાં ચુરડા ના નિયંત્રણ માટે બીજ સારવાર તરીકે કરવામાં આવે છે. ચૂસક જીવાતો પર ઝડપી અસર થવાને કારણે આ પાંદડાં વળાંક રોગથી બચાવે છે.

**ભલામણ:**

| પાક | જીવાતનું સામાન્ય નામ | પ્રતિ હેક્ટર માત્રા | | પાણીમાં વોલ્યુમ (લીટર) | છેલ્લી છંટકાવથી કાપણી સુધીનો સમયગાળો (દિવસ) | હેક્ટર ઉપયોગ પછી પુનઃપ્રવેશ BARC (2013) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | સક્રિય ઘટક (ગ્રામ પ્રતિ હે.ઉ બીજ) | ફોર્મ્યુલેશન (મિ.લી. પ્રતિ કિ.ગ્રા બીજ) | | | |
| મરચું | થ્રિપ્સ | 2.1 | 7 | – | – | – |
| કપાસ | જેસિડ, એફિડ, વ્હાઇટ માખી | 3 | 10 | – | ન્યૂન ઉપયોગ કરવો (ઉપયોગ થાય છે | – |
| મકાઇ | ચૂર્ટ પ્લવય | 2.4 | 8 | – | – | – |
| ભેંડી | જેસિડ | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| ધાન | થ્રિપ્સ, જીએલએચ, વ્હોર્લ મેગટ | 0.9 | 3 | – | – | – |
| જુવાર | શૂટ ફ્લાય | 3 | 10 | – | – | – |
| સોયાબીન | સ્ટેમ ફ્લાય | 3 | 10 | – | – | – |
| સૂર્યમુખી | થ્રિપ્સ, જેસિડ | 3 | 10 | – | – | – |
| ઘઉં | ઉધઇ | 1 | 3.3 | – | – | – |

**ઉપયોગ કરવાની રીત:**
નાની ઢગલી માટે, સારવાર કરવાના દરેક કિલો બીજ માટે જરૂરી માત્રામાં 10–20 મિ.લી. પાણી ભેળવો. આ ગાઢ દ્રાવણને બીજ સાથે ભેળવી કોઇ પણ ડબ્બામાં (પ્લાસ્ટિકનું પીપું અથવા પ્લાસ્ટિકની થેલી) સારી રીતે (સામાન્ય રીતે એક મિનિટથી ઓછા સમય માટે) હલાવો, જ્યાં સુધી બીજ સંપૂર્ણપણે થાયામેથોક્સામ 30 ટકા એફ એસ થી લપેટાઈ ન જાય. થાયામેથોક્સામ 30 ટકા એફ એસ નો ઉપયોગ ગારાના સ્વરૂપમાં કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે, જેમાં વ્યાવસાયિક બીજ સારવાર યંત્ર સતત ચલાવવું જોઈએ. બનાવવાની પદ્ધતિ નીચે મુજબ છે.
1. દ્રાવણ બનાવવાની ટાંકીમા જરૂરી માત્રાથી અડધું પાણી ઉમેરો.
2. નિર્ધારિત માત્રામાં થાયામેથોક્સામ 30 ટકા એફ એસ હલાવતા હલાવતા ઉમેરો.
3. ઉત્પાદનને સારી રીતે ભળી જવા દો.
4. ઘોળક પ્રણાલીનો સ્વિચ ચાલુ કરો અથવા હાથથી હલાવો.
5. બાકીનું પાણી દ્રાવણમાં ઉમેરો.
6. દ્રાવણ વાપરતી વખતે તેને સતત હલાવતા રહો.
7. દ્રાવણ તૈયાર થયા પછી 24 કલાકની અંદર તેનો ઉપયોગ કરવો જોઈએ.

વાપરવાની રીત:
1. ઉપર જણાવ્યા મુજબ ગાઢ દ્રાવણ તૈયાર કરો.
2. વાસણમાં બીજ ઉલટાવો.
3. બીજ ભેળવવાનું શરૂ કરો.
4. જરૂરી માત્રામાં દ્રાવણ ઉમેરીને બીજ પર ચોંટવા દો.
5. આશરે 30 સેકન્ડથી એક મિનિટ સુધી ભેળવો જેથી બીજ સમરૂપ રીતે સારવાર પામે. વધુ સમય ભેળવવાથી બીજ પર ઘસારો પડી ધૂળ જમશે.

**ઉપયોગની સમય:**
સી.આઈ.બી. માર્ગદર્શિકાનું પાલન કરો.

**પ્રયોગકર્તાઓ માટે સાવચેતીઓ:**
છંટકાવ માટે દ્રાવણ તૈયાર કરવા રસોઈના વાસણો વાપરશો નહીં. દ્રાવણ હલાવવા લાકડાની કાઠી વાપરો. ત્વચાને છંટકાવના સંપર્કથી બચાવવા દસ્તાના પહેરો. શ્વાસ દ્વારા અંદર જવું અને આંખોના સંપર્કથી બચો. છંટકાવ કરતી વખતે માસ્ક, ચશ્મા, બૂટ્સ વગેરે સુરક્ષાત્મક વસ્ત્રો પહેરો. ઉત્પાદન ઉઠાવતા, સંગ્રહ કરતા કે ઉપયોગ કરતી વખતે ખાવું, પીવું કે ધૂમ્રપાન ન કરો. કાર્ય પૂર્ણ થયા પછી હાથ સાબુ અને પ્રરતા પાણીથી ધોઇ લો. પહેરેલા કપડાં બદલીને સારી રીતે ધોઇ લો.

**વિષબાધાના લક્ષણો:**
વિષબાધાથી શરીરમાં ઢીલાશ, મિર્ગી જેવા આંચકા અને પ્ટોસિસ થઈ શકે છે.

**પ્રાથમિક સારવાર:**
પ્રભાવિત વ્યક્તિને દૂષિત સ્થળ પરથી હવાદાર રૂમમાં અથવા ખુલ્લી હવામાં લઈ જાઓ અને ગરમીથી બચાવો. લક્ષણો દેખાય તો તાત્કાલિક ડૉક્ટરને બોલાવો. ત્વચા પર લાગેલ: દૂષિત કપડાં કાઢી નાખો. આકસ્મિક આંખોમાં જવાથી: પાણીથી સારી રીતે ધોઇ લો. આંખમાં પડ્યે: આંખોને ઘોડી સમય સ્વચ્છ પાણીથી સારી રીતે ધોઇ લો. ગળી લીધા હોય તો: પાણીમાં મેડિસિનલ ચારકોલ ભેળવી વારંવાર આપો. સૂચના: બેભાન દર્દીને મોઢેથી કશું પણ આપશો નહીં. ઉલટી કરાવવાની પ્રયાસ ન કરો.

**વનસ્પતિ વિષાક્તતા:**
નિર્ધારિત માત્રા મુજબ ઉપયોગ કરવાથી પાકને વિષાક્ત અસર થતી નથી.

**પ્રતિવિષ:**
કોઈ ખાસ પ્રતિવિષ ઉપલબ્ધ નથી. લક્ષણો અનુસાર સારવાર કરો.

**ખાલી ડબ્બાનો નિકાલ:**
1. પર્યાવરણ પ્રદૂષણ ટાળવાસાથી ખાલી ડબ્બા, બચેલું દ્રાવણ/પદાર્થ, યંત્રોની ધુણી અને યંત્રોની ધોઈને નીકળેલું પાણી સુરક્ષિત સ્થળે નિકાલ કરો.
2. વપરાયેલા ડબ્બા/પેકેટ ખુલ્લા ન છોડો જેથી તેનો ફરી ઉપયોગ ન થઈ શકે.
3. ડબ્બા/પેકેટ તોડી લોકોની વસાહતથી દૂર જમીનમાં દફન કરો.

**સંગ્રહની શરતો:**
1. કીટનાશકના ડબ્બા ખાદ્ય સામગ્રી સંગ્રહ થતી જગ્યા થી દૂર, અલગ રૂમમાં અથવા તાળા લગાવેલી અલમારીમાં રાખો.
2. સંગ્રહ રૂમ મજબૂત, સૂકા, પ્રકાશિત અને હવાદાર હોવા જોઈએ તથા પૂરતી જગ્યા હોવી જોઈએ જેથી વરાળથી પ્રદૂષણ ન થાય.

## थायामेथोक्साम 30 टक्का એફ એस
## (अंतरप्रवाही कीटनाशक)

थायामेथोक्साम 30 टक्का એફ એस એક बहुउपयोगी अंतरप्रवाही कीटनाशक છે. જે બીજ સારવાર કરવાથી પાકના શરૂઆતના તબક્કામાં આવતા ચૂસક જીવાતોનું નિયંત્રણ કરે છે. તેની ભલામણ કપાસમાં થતી તેલા, માહુ અને સફેદ માખી, જુવાર અને મકાઈમાં પ્રરોહ માખી; ઘઉંમાં દીમક; ભીંડામાં તેલા; ધાનમાં ચુરડા, લીલો પાંદડાનો કુદકો અને ચક્રિય મગ; સૂર્યમુખીમાં તેલા અને ચુરડા; સોયાબીનમાં તણા માખી તથા મરચામાં ચુરડા ના નિયંત્રણ માટે બીજ સારવાર તરીકે કરવામાં આવે છે. ચૂસક જીવાતો પર ઝડપી અસર થવાને કારણે આ પાંદડાં વળાંક રોગથી બચાવે છે.

**ભલામણ:**

| પાક | જીવાતનું સામાન્ય નામ | પ્રતિ હેક્ટર માત્રા | | પાણીમાં વોલ્યુમ (લીટર) | છેલ્લી છંટકાવથી કાપણી સુધીનો સમયગાળો (દિવસ) | હેક્ટર ઉપયોગ પછી પુનઃપ્રવેશ BARC (2013) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | સક્રિય ઘટક (ગ્રામ પ્રતિ કિ.ગ્રા બીજ) | ફોર્મ્યુલેશન (મિ.લી. પ્રતિ કિ.ગ્રા બીજ) | | | |
| મરચી | થ્રિપ્સ | 2.1 | 7 | – | – | – |
| કાપસુ | જૅસિડ, એફિડ, વાંદરી માશી | 3 | 10 | – | ન્યૂન ઉપયોગ કરવો (ઉપયોગ થાય | – |
| મકા | ચૂટ પ્લવય | 2.4 | 8 | – | – | – |
| મેંડી | જૅસિડ | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| ભાત | થ્રિપ્સ, જીએલએચ, વ્હર્લ મૅગટ | 0.9 | 3 | – | – | – |
| જવારી | શૂટ ફ્લાય | 3 | 10 | – | – | – |
| સોયબીન | સ્ટેમ ફ્લાય | 3 | 10 | – | – | – |
| સૂર્યફૂલ | જૅસિડ, થ્રિપ્સ | 3 | 10 | – | – | – |
| ગહુ | વાલવી | 1 | 3.3 | – | – | – |

**વાપરવાની પદ્ધત:**
લહાન બિયાણે લૉટસાઠી, પ્રક્રિયા કરાવવાચ્યા પ્રત્યેક કિલો બિયાણ્યાસાઠી આવશ્યક પ્રમાણત 10–20 મિ.લી. પાણી મિલવાએ. આ ગાઢ દ્રાવણને બિયાણે સાથે મેળવી કોઇ પણ ડબ્બામાં (પ્લાસ્ટિકનું પીપે કિંવા પ્લાસ્ટિકચી પિશવી) નીટપણે (साधारणपणे एक मिनिटापेक्षा कमी वेळ) हलवावे, जोपर्यंत बियाणे पूर्णपणे थायामेथोक्सामच 30 टक्के एफ एस ने लेपित होत नाहीत. थायामेथोक्साम 30 टक्के एफ एस चा वापर गाऱ्याच्या स्वरूपात करण्याची शिफारस करण्यात येते, ज्यावेळी व्यावसायिक बियाणे प्रक्रिया यंत्र सतत चालू ठेवावे. तयार करण्याची पद्धत खाली दिली आहे.
1. द्रावण तयार करण्याच्या टाकीत आवश्यकतेपेक्षा अर्धे पाणी घालावे.
2. निश्चित केलेले प्रमाण थायामेथोक्साम 30 टक्के एफ एस हलवत असताना मिसळावे.
3. उत्पादन पूर्णपणे मिसळू द्यावे.
4. घोळक प्रणालीचा स्विच ऑन करावा किंवा हाताने ढवळावे.
5. उरलेले पाणी द्रावणात मिसळावे. 6. द्रावण वापरताना ते सतत ढवळत राहावे.
7. द्रावण तयार झाल्यानंतर 24 तासांच्या आत वापरावे.

वापरण्याची पद्धत:
1. वर सांगितल्याप्रमाणे द्रावण तयार करावे.
2. भांड्यात बियाणे ओतावीत.
3. बियाणे मिसळण्यास सुरुवात करावी.
4. आवश्यक प्रमाणात द्रावण चालून बियाण्यांवर नीट लेप लागू द्यावा.
5. सुमारे 30 सेकंद ते एक मिनिट ढवळावे, जेणेकरून बियाणे समानरित्या प्रक्रिया होतील. जास्त वेळ ढवळल्यास बियाण्यांना घर्षण होऊन धूळ तयार होऊ शकते.

**प्रयोगाची वेळ:**
सी.आय.बी. मार्गदर्शक तत्त्वांनुसार.

**प्रयोगकर्त्यांसाठी खबरदारी:**
फवारणीचे द्रावण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापरू नयेत. द्रावण ढवळण्यासाठी लाकडी काठीचा वापर करावा. त्वचेचा फवारणीशी संपर्क टाळण्यासाठी हातमोजे वापरावेत. श्वासावाटे आत जाणे व डोळ्यांशी संपर्क होणे टाळावे, फवारणी करताना मास्क, चष्मा, बूट्स इत्यादी संरक्षक कपडे परिधान करावेत. उत्पादन उचलताना, साठवताना किंवा वापरताना खाणे, पिणे किंवा धूम्रपान करू नये. काम पूर्ण झाल्यानंतर हात साबण व भरपूर पाण्याने धुवावेत. वापरलेले कपडे बदलून नीट धुवावेत.

**विषबाधेची लक्षणे:**
विषबाधेमुळे शरीरात शिथिलता, मिरगीसारखे झटके व ट्रोसिस दिसून येऊ शकतात.

**प्राथमिक उपचार:**
प्रभावित व्यक्तीस दूषित जागेवरून हवादार खोलीत किंवा मोकळ्या हवेत घेऊन जावे व उष्णतेपासून संरक्षण करावे. विषबाधेची लक्षणे दिसल्यास त्वरित डॉक्टरांना बोलवावे. त्वचेवर लागल्यास: दूषित कपडे काढून प्रभावित भाग साबण व पाण्याने नीट धुवावेत. डोळ्यात गेल्यास: डोळे काही वेळ स्वच्छ पाण्याने नीट धुवावेत. गिळल्यास: पाण्यात मेडिसिनल चारकोल योग्य प्रमाणात मिसळून वारंवार द्यावे. सूचना: बेशुद्ध रुग्णास तोंडावाटे काहीही देऊ नये. उलटी करवण्याचा प्रयत्न करू नये.

**वनस्पती विषाक्तता:**
निर्धारित मात्रेनुसार वापर केल्यास पिकांना विषाक्त परिणाम होत नाही.

**प्रतिविष:**
कोणतेही विशिष्ट प्रतिविष उपलब्ध नाही. लक्षणांनुसार उपचार करावेत.

**रिकाम्या डब्यांचा निपटारा:**
1. पर्यावरण प्रदूषण टाळण्यासाठी रिकामे डबे, उरलेले द्रावण/पदार्थ, यंत्रांची धुणी व रिकाम्या डब्यांचा निपटारा सुरक्षित ठिकाणी करावा.
2. वापरलेले डबे/पॅकेट तसेच उघडे ठेवू नयेत, कारण त्यांचा पुन्हा वापर होऊ शकतो.
3. डबे/पॅकेट फोडून लोकवसतीपासून दूर जमिनीत पुरावेत.

**साठवणुकीच्या अटी:**
1. कीटकनाशकांचे डबे अन्नसाठ्यासाठी वापरल्या जाणाऱ्या स्वतंत्र खोल्या किंवा इमारतींपासून दूर, स्वतंत्र साल्यांमध्ये किंवा कुलूपबंद कपाटांत ठेवावेत.
2. कीटकनाशक साठवणुकीसाठी वापरण्यात येणाऱ्या खोल्या किंवा इमारती मजबूत, कोरड्या, प्रकाशयुक्त व हवेशीर असाव्यात तसेच वाफेमुळे प्रदूषण होणार नाही यासाठी पुरेशी जागा असावी.

## थायमेथॉक्साम 30% एफ.एस.
## (सिस्टेमिक कीटकनाशक)

थायमेथॉक्साम 30% एफ.एस. हे विस्तृत कार्यक्षेत्र असलेले सिस्टेमिक कीटकनाशक असून बीज प्रक्रिया करण्यासाठी योग्य आहे व सुरुवातीच्या अवस्थेतील रस शोषणाऱ्या कीटकांच्या नियंत्रणासाठी वापरले जाते. कापसामध्ये जासिड, मावा व पांढरी माशी; ज्वारी व मका पिकात शूट फ्लाय; गहूमध्ये वाळवी; भेंडीमध्ये जासिड; भातामध्ये थ्रिप्स, ग्रीन लीफ हॉपर व व्हॉर्ल मैगॉट; सूर्यफुलमध्ये जासिड व थ्रिप्स; सोयाबीनमध्ये स्टेम फ्लाय व मिरचीमध्ये थ्रिप्स यांच्या नियंत्रणासाठी बीज प्रक्रियेसाठी शिफारस करण्यात आलेली आहे. रस शोषणाऱ्या कीटकांवर याची जलद क्रिया होत असल्याने लीफ कर्ल विषाणूचा प्रसार मर्यादित होतो.

**शिफारस:**

| पिके | किडीचे सामान्य नाव | प्रति हेक्टर प्रमाण | | पाण्याद्वारे विरघळण (लीटर) | सोयट्स्या फवारणीपासून काढणीपर्यंत प्रतीक्षा कालावधी (दिवस) | प्रत्येक फवारणीनंतर पुन:प्रवेश करण्यापूर्वी (तास) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सक्रिय घटक (ग्रॅम प्रति किलो बियाणे) | फॉर्म्युलेशन (मि.ली. प्रति किलो बियाणे) | | | |
| मिरची | थ्रिप्स | 2.1 | 7 | – | – | – |
| कापूस | जॅसिड, ॲफिड, पांढरी माशी | 3 | 10 | – | पेरणी पूर्वीच्या बाजीचे प्रयोजन नाही | – |
| मका | शूट फ्लाय | 2.4 | 8 | – | – | – |
| भेंडी | जॅसिड | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| भात | थ्रिप्स, जीएलएच, व्हॉर्ल मैगट | 0.9 | 3 | – | – | – |
| ज्वारी | शूट फ्लाय | 3 | 10 | – | – | – |
| सोयबीन | स्टेम फ्लाय | 3 | 10 | – | – | – |
| सूर्यफूल | जॅसिड, थ्रिप्स | 3 | 10 | – | – | – |
| गहू | बाजवी | 1 | 3.3 | – | – | – |

**वापरण्याची पद्धत:**
लहान बियाणे लॉटसाठी, प्रक्रिया करावयाच्या प्रत्येक किलो बियाण्यासाठी आवश्यक प्रमाणात 10–20 मि.ली. पाणी मिसळावे. हा दाट द्रावण बियाण्यांसोबत मिसळून कोणत्याही डब्यात (प्लास्टिकचे पीपे किंवा प्लास्टिकची पिशवी) नीटपणे (साधारणपणे एक मिनिटापेक्षा कमी वेळ) हलवावे, जोपर्यंत बियाणे पूर्णपणे थायामेथोक्सामच 30 टक्के एफ एस ने लेपित होत नाहीत. थायामेथोक्साम 30 टक्के एफ एस चा वापर गाऱ्याच्या स्वरूपात करण्याची शिफारस करण्यात येते, ज्यावेळी व्यावसायिक बियाणे प्रक्रिया यंत्र सतत चालू ठेवावे. तयार करण्याची पद्धत खाली दिली आहे.
1. द्रावण तयार करण्याच्या टाकीत आवश्यकतेपेक्षा अर्धे पाणी घालावे.
2. निश्चित केलेले प्रमाण थायामेथोक्साम 30 टक्के एफ एस हलवत असताना मिसळावे.
3. उत्पादन पूर्णपणे मिसळू द्यावे.
4. ढवळणी प्रणालीचा स्विच ऑन करावा किंवा हाताने ढवळावे.
5. उरलेले पाणी द्रावणात मिसळावे. 6. द्रावण वापरताना ते सतत ढवळत राहावे.
7. द्रावण तयार झाल्यानंतर 24 तासांच्या आत वापरावे.

वापरण्याची पद्धत:
1. वर सांगितल्याप्रमाणे दाट द्रावण तयार करावे.
2. भांड्यात बियाणे ओतावीत.
3. बियाणे मिसळण्यास सुरुवात करावी.
4. आवश्यक प्रमाणात द्रावण चालून बियाण्यांवर नीट लेप लागू द्यावा.
5. सुमारे 30 सेकंद ते एक मिनिट ढवळावे, जेणेकरून बियाणे समानरित्या प्रक्रिया होतील. जास्त वेळ ढवळल्यास बियाण्यांना घर्षण होऊन धूळ तयार होऊ शकते.

**प्रयोगाची वेळ:**
सी.आय.बी. मार्गदर्शक तत्त्वांनुसार.

**प्रयोगकर्त्यांसाठी खबरदारी:**
फवारणीचे द्रावण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापरू नयेत. द्रावण ढवळण्यासाठी लाकडी काठीचा वापर करावा. त्वचेचा फवारणीशी संपर्क टाळण्यासाठी हातमोजे वापरावेत. श्वासावाटे आत जाणे व डोळ्यांशी संपर्क होणे टाळावे, फवारणी करताना मास्क, चष्मा, बूट्स इत्यादी संरक्षक कपडे परिधान करावेत. उत्पादन उचलताना, साठवताना किंवा वापरताना खाणे, पिणे किंवा धूम्रपान करू नये. काम पूर्ण झाल्यानंतर हात साबण व भरपूर पाण्याने धुवावेत. वापरलेले कपडे बदलून नीट धुवावेत.

**विषबाधेची लक्षणे:**
विषबाधेमुळे शरीरात शिथिलता, मिरगीसारखे झटके व ट्रोसिस दिसून येऊ शकतात.

**प्राथमिक उपचार:**
प्रभावित व्य

# തിയാമെതോക്സാം 30 ശതമാനം എഫ് എസ്
## (അന്തരപ്രവാഹി കീടനാശിനി)

തിയാമെതോക്സാം 30 ശതമാനം എഫ് എസ് ഒരു ബഹുമുഖ അന്തരപ്രവാഹി കീടനാശിനിയാണ്. വിത്ത് ശുദ്ധീകരണം നടത്തുന്നതിലൂടെ വിളയുടെ പ്രാരംഭ ഘട്ടത്തിൽ കാണപ്പെടുന്ന ചൂഷക കീടങ്ങളെ നിയന്ത്രിക്കുന്നു. പരുത്തിയിൽ തെല, ആഫിഡ്, വെള്ളച്ചിലന്തി; ജ്വാർ, മക്കയിൽ മുളപ്പുഴു; ഗോതമ്പിൽ വെള്ളരിവണ്ടി; വെണ്ടയിൽ തെല; നെല്ലിൽ ചുരുട, പച്ച ഇല ചാടുപുഴു, ചക്രാകാര മാഗറ്റ്; സൂര്യകാന്തിയിൽ തെലയും ചുരുടയും; സോയാബീനിൽ തണ്ട് പുഴു, മുളകിൽ ചുരുട എന്നിവയുടെ നിയന്ത്രണത്തിനായി വിത്ത് ശുദ്ധീകരണത്തിന് ശുപാർശ ചെയ്യുന്നു. ചൂഷക കീടങ്ങളിൽ വേഗത്തിൽ പ്രവർത്തിക്കുന്നതിനാൽ ഇല മടക്കരോഗം തടയുന്നു.

**ശുപാർശ:**

| വിള | കീടത്തിന്റെ പൊതുപേര് | ഹെക്ടറിന് അളവ് | | വെള്ളത്തിൽ കലർത്തൽ (ലിറ്റർ) | അവസാന തളിക്കലിൽ നിന്ന് കൊയ്ത്ത് വരെ കാത്തിരിപ്പ് കാലം (ദിവസങ്ങൾ) | ഓരോ പ്രയോഗത്തിനുശേഷം വീണ്ടും പ്രവേശിക്കാനുള്ള സമയം (മണിക്കൂർ) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | സജീവ ഘടകം (ഗ്രാം / കിലോ വിത്ത്) | ഫോർമുലേഷൻ (മില്ലി / കിലോ വിത്ത്) | | | |
| മുളക് | ത്രിപ്സ് | 2.1 | 7 | – | – | – |
| പരുത്തി | ജാസിഡ്, ആഫിഡ്, വെള്ളയീച്ച | 3 | 10 | – | വിത്ത് ശുദ്ധീകരണത്തിന് ഉപയോഗിക്കുന്നു | – |
| മക്കച്ചോളം | ഷൂട്ട് ഫ്ലൈ | 2.4 | 8 | – | – | – |
| വെണ്ട | ജാസിഡ് | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| നെല്ല് | ത്രിപ്സ്, ജി.എൽ.എച്ച്., വോർൾ മാഗറ്റ് | 0.9 | 3 | – | – | – |
| ജ്വാർ | ഷൂട്ട് ഫ്ലൈ | 3 | 10 | – | – | – |
| സോയാബീൻ | സ്റ്റെം ഫ്ലൈ | 3 | 10 | – | – | – |
| സൂര്യകാന്തി | ജാസിഡ്, ത്രിപ്സ് | 3 | 10 | – | – | – |
| ഗോതമ്പ് | വണ്ടു | 1 | 3.3 | – | – | – |

**ഉപയോഗ വിധം:**
ചെറിയ കൂമ്പാരത്തിന്, ശുദ്ധീകരിക്കേണ്ട ഓരോ കിലോ വിത്തിനും 10–20 മി.ലി. വെള്ളം ചേർക്കണം. ഈ കട്ടിയുള്ള ദ്രാവകം വിത്തുകളുമായി കലർത്തി ഏതെങ്കിലും പാത്രത്തിൽ (പ്ലാസ്റ്റിക് ഡ്രം അല്ലെങ്കിൽ പ്ലാസ്റ്റിക് ബാഗ്) നന്നായി (സാധാരണയായി 1 മിനിറ്റിൽ കുറവ്) കുലുക്കണം; വിത്തുകൾ മുഴുവൻ തിയാമെതോക്സാം 30 ശതമാനം എഫ് എസ് കൊണ്ട് പൊതിയുന്നതുവരെ. തിയാമെതോക്സാം 30 ശതമാനം എഫ് എസ് ഗാര രൂപത്തിൽ ഉപയോഗിക്കാൻ ശുപാർശ ചെയ്യുന്നു; ഈ സമയത്ത് വാണിജ്യ വിത്ത് ശുദ്ധീകരണ യന്ത്രം തുടർച്ചയായി പ്രവർത്തിക്കണം. തയ്യാറാക്കുന്ന വിധി താഴെ കൊടുക്കുന്നു.
1. ദ്രാവകം തയ്യാറാക്കുന്ന ടാങ്കിൽ ആവശ്യമായ വെള്ളത്തിന്റെ പകുതി ചേർക്കുക.
2. നിശ്ചയിച്ച അളവിൽ തിയാമെതോക്സാം 30 ശതമാനം എഫ് എസ് ഇളക്കി കൊണ്ടിരിക്കെ ചേർക്കുക.
3. ഉൽപ്പന്നം പൂർണ്ണമായി കലരാൻ അനുവദിക്കുക.
4. ഇളക്കൽ സംവിധാനം ഓൺ ചെയ്യുക അല്ലെങ്കിൽ കൈകൊണ്ട് ഇളക്കുക.
5. ശേഷിക്കുന്ന വെള്ളം ദ്രാവകത്തിൽ ചേർക്കുക.
6. ഉപയോഗിക്കുന്ന സമയത്ത് ദ്രാവകം തുടർച്ചയായി ഇളക്കിക്കൊണ്ടിരിക്കുക.
7. ദ്രാവകം തയ്യാറാക്കിയ ശേഷം 24 മണിക്കൂറിനകം ഉപയോഗിക്കണം.

ഉപയോഗ വിധം:
1. മുകളിൽ പറഞ്ഞതുപോലെ കട്ടിയുള്ള ദ്രാവകം തയ്യാറാക്കുക.
2. പാത്രത്തിൽ വിത്തുകൾ ഒഴിക്കുക.
3. വിത്തുകൾ കലക്കാൻ ആരംഭിക്കുക.
4. ആവശ്യമായ അളവിൽ ദ്രാവകം ചേർത്ത് വിത്തുകളിൽ പതിയാൻ അനുവദിക്കുക.
5. ഏകദേശം 30 സെക്കന്റ് മുതൽ 1 മിനിറ്റ് വരെ കലക്കുക; ഇതുവഴി വിത്തുകൾ ഒരുപോലെ ശുദ്ധീകരിക്കപ്പെടും. കൂടുതൽ സമയം കലക്കുകയാണെങ്കിൽ വിത്തുകൾക്ക് ഘർഷണം ഉണ്ടായി പൊടി രൂപപ്പെടാം.

**പ്രയോഗ സമയം:**
സി. ഐ. ബി. മാർഗനിർദേശങ്ങൾ പാലിക്കുക.

**ഉപയോക്താക്കൾക്കുള്ള മുൻകരുതലുകൾ:**
ദ്രാവകം തയ്യാറാക്കാൻ അടുക്കള പാത്രങ്ങൾ ഉപയോഗിക്കരുത്. ദ്രാവകം ഇളക്കാൻ മരക്കോൽ ഉപയോഗിക്കുക. ത്വക്കുമായി സമ്പർക്കം ഒഴിവാക്കാൻ കൈയുറകൾ ധരിക്കുക. ശ്വസനത്തിലൂടെ അകത്തുകയറുന്നതും കണ്ണുകളുമായി സമ്പർക്കവും ഒഴിവാക്കുക. തളിക്കുന്ന സമയത്ത് മാസ്ക്, കണ്ണട, ബൂട്ടുകൾ എന്നിവ പോലുള്ള സംരക്ഷണ വസ്ത്രങ്ങൾ ധരിക്കുക. ഉൽപ്പന്നം കൈകാര്യം ചെയ്യുമ്പോൾ, സംഭരിക്കുമ്പോൾ അല്ലെങ്കിൽ ഉപയോഗിക്കുമ്പോൾ ഭക്ഷണം കഴിക്കുകയോ കുടിക്കുകയോ പുകവലിക്കുകയോ ചെയ്യരുത്. ജോലി കഴിഞ്ഞ ശേഷം കൈകൾ സോപ്പും ധാരാളം വെള്ളവും ഉപയോഗിച്ച് കഴുകുക. ധരിച്ച വസ്ത്രങ്ങൾ മാറ്റി നന്നായി കഴുകുക.

**വിഷബാധയുടെ ലക്ഷണങ്ങൾ:**
വിഷബാധ മൂലം ശരീരത്തിൽ ശൈഥില്യം, മുരുകുപിടുത്തം പോലുള്ള ക്ഷുഭിതത്വം, പ്ടോസിസ് എന്നിവ ഉണ്ടാകാം.

**പ്രാഥമിക ചികിത്സ:**
ബാധിതനെ മലിനമായ സ്ഥലത്ത് നിന്ന് വായു സഞ്ചാരം ഉള്ള മുറിയിലേക്കോ തുറന്ന സ്ഥലത്തേക്കോ മാറ്റി ചൂടിൽ നിന്ന് സംരക്ഷിക്കുക. ലക്ഷണങ്ങൾ കണ്ടാൽ ഉടൻ ഡോക്ടറെ വിളിക്കുക. ത്വക്കിൽ പതിച്ചാൽ: മലിനമായ വസ്ത്രങ്ങൾ നീക്കി ബാധിത ഭാഗം സോപ്പും വെള്ളവും ഉപയോഗിച്ച് നന്നായി കഴുകുക. കണ്ണിൽ പതിച്ചാൽ: കുറച്ച് സമയം ശുദ്ധജലത്തിൽ കണ്ണുകൾ നന്നായി കഴുകുക. വിഴുങ്ങിയാൽ: വെള്ളത്തിൽ മെഡിസിനൽ ചാർക്കോൾ കലക്കി പലതവണ നൽകുക. അറിയിപ്പ്: ബോധംകെട്ട രോഗിക്ക് വായിലൂടെ ഒന്നും നൽകരുത്. ഛർദ്ദിപ്പിക്കാൻ ശ്രമിക്കരുത്.

**സസ്യ വിഷാംശം:**
നിശ്ചയിച്ച അളവിൽ ഉപയോഗിച്ചാൽ വിളകൾക്ക് വിഷകരമല്ല.

**പ്രതിവിഷം:**
പ്രത്യേകമായ പ്രതിവിഷം ഇല്ല. ലക്ഷണങ്ങൾ അനുസരിച്ച് ചികിത്സ നൽകുക.

**കാലിയായ കണ്ടെയ്നറുകളുടെ നിർമാർജനം:**
1. പരിസ്ഥിതി മലിനീകരണം ഒഴിവാക്കാൻ കാലിയായ കണ്ടെയ്നറുകൾ, ശേഷിച്ച ദ്രാവകം/വസ്തു, യന്ത്രങ്ങളുടെ കഴുകിയ വെള്ളം എന്നിവ സുരക്ഷിത സ്ഥലത്ത് നിർമാർജനം ചെയ്യുക.
2. ഉപയോഗിച്ച കണ്ടെയ്നറുകൾ/പാക്കറ്റുകൾ അങ്ങനെ തന്നെ പുറത്തുവിടരുത്; പുനഃഉപയോഗത്തിന് സാധ്യതയുണ്ട്.
3. കണ്ടെയ്നറുകൾ/പാക്കറ്റുകൾ തകർത്തു ജനവാസ പ്രദേശങ്ങളിൽ നിന്ന് അകലെ മണ്ണിൽ മറവ് ചെയ്യുക.

**സംഭരണ വ്യവസ്ഥകൾ:**
1. കീടനാശിനി കണ്ടെയ്നറുകൾ ഭക്ഷ്യസംഭരണ സ്ഥലങ്ങളിൽ നിന്ന് അകലെ, വേറിട്ട മുറികളിലോ പൂട്ടിയ അലമാരകളിലോ സൂക്ഷിക്കുക.
2. സംഭരണത്തിനായി ഉപയോഗിക്കുന്ന മുറികളും കെട്ടിടങ്ങളും ശക്തവും വരണ്ടതും പ്രകാശമുള്ളതും വായുസഞ്ചാരമുള്ളതുമായിരിക്കണം; വാഷ്പം മൂലമുള്ള മലിനീകരണം ഒഴിവാക്കാൻ മതിയായ ഇടം ഉണ്ടായിരിക്കണം.

**രാസഘടന:**

| ക്രമ നമ്പർ | ഘടകം | വിവരണം | അളവ് |
|---|---|---|---|
| 1 | തിയാമെതോക്സാം സജീവ ഘടകം | - | 30.00% ഭാരാനുസരിച്ച് |
| 2 | ഗ്ലിസറിൻ | - | 5.10% ഭാരാനുസരിച്ച് |
| 3 | മോനാസോ നിറം | (ഇർഗാലിത്ത് റെഡ് സി 2 ബി) | 3.40% ഭാരാനുസരിച്ച് |
| 4 | ബ്യൂട്ടാനോൾ കോപോളിമർ | - | 4.30% ഭാരാനുസരിച്ച് |
| 5 | 1,2-ബെൻസിസോതിയാസോൾ-3-വൺ | - | 0.20% ഭാരാനുസരിച്ച് |
| 6 | പോളിഥിലീൻ ഗ്ലൈക്കോൾ | - | 2.60% ഭാരാനുസരിച്ച് |
| 7 | വെള്ളം | - | ആവശ്യമായത്ര ഭാരാനുസരിച്ച് |
| | **ആകെ** | - | **100% ഭാരാനുസരിച്ച്** |

**മുന്നറിയിപ്പ്: ഈ ലേബൽ/പത്രികയിൽ സൂചിപ്പിച്ച വിളകൾക്കു പുറമെ മറ്റ് വിളകളിൽ ഉപയോഗിക്കരുത്.**

# థియామెథోకాస్మ్ 30 శాతం ఎఫ్ ఎస్
## (అంతఃపర్వాహి పురుగుమందు)

థియామెథోకాస్మ్ 30 శాతం ఎఫ్ ఎస్ ఒక బహుళ వినియోగ అంతఃపర్వాహి పురుగుమందు. వితత్న శుదిధ్ చేయడం వలల్ పంటల పార్రంభ దశలో కనిపించే శోషక పురుగులను నియంతిర్సుత్ంది. పతితిలో తెలల్ పురుగు, మావు మరియు తెలల్ ఈగ; జొనన్ మరియు మకక్లో మొలక ఈగ; గోధుమలో వాలీమ్కి; బెండకాయలో తెలల్ పురుగు; వరిలో చురుడ పురుగు, ఆకుపచచ్ ఆకు దూకుడు పురుగు మరియు చకార్కార మాయ్గట్; సూరయ్కాంతిలో తెలల్ పురుగు మరియు చురుడ పురుగు; సోయాబీనోల్ కాండం ఈగ మరియు మిరిచ్లో చురుడ పురుగు నియంతర్ణ కోసం వితత్న శుదిధ్గా సిఫారసు చేయబడింది. శోషక పురుగులపై వేగంగా పర్భావం చూపడం వలల్ ఆకులు ముడుచుకునే రోగానిన్ నివారిసుత్ంది.

**సిఫారసు:**

| పంట | పురుగు సాధారణ పేరు | హెకాట్ర్‌కు మోతాదు | | నీటిలో కలపడం (లీటరుల్) | చివరి పిచికారీ నుండి కోత వరకు వేచిఉండే కాలం (రోజులు) | పర్తి వినియోగం తరావ్త మళీల్ పర్ వేశ కాలం (గంటలు) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | కిర్యాశీల పదార్థం (గార్మ్ / కిలో వితత్నం) | ఫారుమ్‌లేషన్ (మి.లీ. / కిలో వితత్నం) | | | |
| మిరప | త్రిప్స్ | 2.1 | 7 | – | – | – |
| పత్తి | జాసిడ్, ఎఫిడ్, తెల్ల ఈగ | 3 | 10 | – | విత్తన శుద్ధికి ఉపయోగిస్తారు | – |
| మక్కజొన్న | షూట్ ఫ్లై | 2.4 | 8 | – | – | – |
| బెండ | జాసిడ్ | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| వరి | త్రిప్స్, జి.ఎల్.హెచ్., వోర్ల్ మాగట్ | 0.9 | 3 | – | – | – |
| జొన్న | షూట్ ఫ్లై | 3 | 10 | – | – | – |
| సోయాబీన్ | స్టెమ్ ఫ్లై | 3 | 10 | – | – | – |
| సూర్యకాంతి | జాసిడ్, త్రిప్స్ | 3 | 10 | – | – | – |
| గోధుమ | తెల్లచీమ | 1 | 3.3 | – | – | – |

**వినియోగ విధానం:**
చినన్ గుంపుల కోసం, శుదిధ్ చేయాలిసిన పర్తి కిలో వితత్నానికి 10–20 మి.లీ. నీటిని కలపాలి. ఈ మందమైన దార్వణానిన్ వితత్నాలతో కలిపి ఒక పాతర్లో (పాల్సిటిక్ డర్మ్ లేదా పాల్సిటిక్ సంచి) బాగా (సాధారణంగా 1 నిమిషం కనాన్ తకుక్వగా) కుదిపాలి; వితత్నాలు పూరిత్గా థియామెథోకాస్మ్ 30 శాతం ఎఫ్ ఎస్ తో పూతపడే వరకు. థియామెథోకాస్మ్ 30 శాతం ఎఫ్ ఎస్ ను గార రూపంలో ఉపయోగించాలని సిఫారసు చేయబడింది; ఈ సమయంలో వాణిజయ్ వితత్న శుదిధ్ యంతర్ం నిరంతరం పనిచేయాలి. తయారీ విధానం కిర్ంద ఇవవ్బడింది.
1. దార్వణం తయారు చేసే టాయ్ంకులో అవసరమైన నీటి పరిమాణంలో సగం పోయాలి.
2. నిరణ్యించిన పరిమాణంలో థియామెథోకాస్మ్ 30 శాతం ఎఫ్ ఎస్ ను కలుపుతూ పోయాలి.
3. ఉతప్తిత్ పూరిత్గా కలిసే వరకు వేచి ఉండాలి.
4. కలపడం వయ్వసథ్ను ఆన్ చేయాలి లేదా చేతితో కలపాలి.
5. మిగిలిన నీటిని దార్వణంలో కలపాలి.
6. ఉపయోగించే సమయంలో దార్వణానిన్ నిరంతరం కలుపుతూ ఉండాలి.
7. దార్వణం తయారైన తరువాత 24 గంటలలోపు ఉపయోగించాలి

వినియోగ విధానం:
1. పై విధంగా మందమైన దార్వణానిన్ సిదధ్ం చేయాలి.
2. పాతర్లో వితత్నాలను పోయాలి.
3. వితత్నాలను కలపడం పార్రంభించాలి.
4. అవసరమైన పరిమాణంలో దార్వణానిన్ వేసి వితత్నాలపై అంటుకునేలా చేయాలి.
5. సుమారు 30 సెకనుల్ నుండి 1 నిమిషం వరకు కలపాలి; తదావ్రా వితత్నాలు సమానంగా శుదిధ్ అవుతాయి. ఎకుక్వసేపు కలిపితే వితత్నాలకు ఘరష్ణ ఏరప్డి దుముమ్ ఏరప్డుతుంది.

**పర్యోగ సమయం:**
సి.ఐ.బి. మారగ్దరశ్కాలను అనుసరించండి.

**వినియోగదారుల కోసం జాగర్తతలు:**
దార్వణం తయారు చేయడానికి వంట పాతర్లను ఉపయోగించకండి. దార్వణానిన్ కలపడానికి చెకక్ కరర్ను ఉపయోగించండి. చరామ్నికి తాకకుండా ఉండేందుకు చేతి తొడుగులు ధరించండి. శావ్స దావ్రా లోపలికి వెళల్డం మరియు కళల్కు తాకడం నివారించండి. పిచికారీ సమయంలో మాసక్, కళల్జోడు, బూటుల్ వంటి రకష్ణ దుసుత్లు ధరించండి. ఉతప్తిత్ని ఎతత్డం, నిలవ్ చేయడం లేదా ఉపయోగించే సమయంలో తినడం, తార్గడం లేదా పొగ తార్గడం చేయకండి. పని పూరత్యిన తరువాత సబుబ్ మరియు ఎకుక్వ నీటితో చేతులు కడగండి. ఉపయోగించిన దుసుత్లను మారిచ్ బాగా ఉతకండి.

**విష పర్భావ లకష్ణాలు:**
విష పర్భావం వలల్ శరీరంలో అలసట, మూరఛ్ల వంటి దడలు మరియు పోట్సిస్ కనిపించవచుచ్.

**పార్థమిక చికితస్:**
బాధితుడిని కాలుషయ్మైన పార్ంతం నుండి గాలివాటం ఉనన్ గది లేదా తెరిచిన పర్దేశానికి తీసుకెళిల్ వేడి నుండి రకిష్ంచండి. లకష్ణాలు కనిపిసేత్ వెంటనే వైదుయ్డిని పిలవండి. చరమ్ంపై పడితే: కాలుషయ్మైన దుసుత్లను తొలగించి పర్భావిత భాగానిన్ సబుబ్ మరియు నీటితో బాగా కడగాలి. కళల్లో పడితే: కొంతసేపు శుభర్మైన నీటితో కళల్ను బాగా కడగాలి. మింగితే: నీటిలో మెడిసినల్ చారోక్ల్ కలిపి పునఃపునః ఇవావ్లి. గమనిక: అపసామ్రక సిథ్తిలో ఉనన్ రోగికి నోటిమూలంగా ఏదీ ఇవవ్కూడదు. వాంతులు చేయించడానికి పర్యతిన్ంచకండి.

**మొకక్ల విషతతవ్ం:**
నిరణ్యించిన మోతాదులో ఉపయోగించినపుప్డు పంటలకు విషతతవ్ం లేదు.

**పర్తివిషం:**
పర్తేయ్కమైన పర్తివిషం లేదు. లకష్ణాల ఆధారంగా చికితస్ చేయాలి.

**ఖాళీ కంటైనరల్ పారవేత:**
1. పరాయ్వరణ కాలుషాయ్నిన్ నివారించడానికి ఖాళీ కంటైనరుల్, మిగిలిన దార్వణం/పదారథ్ం మరియు యంతార్ల కడుగు నీటిని సురకిష్త పర్దేశంలో పారవేయాలి.
2. ఉపయోగించిన కంటైనరుల్/పాయ్కెటల్‌ను అలాగే బయట వదలకండి; తిరిగి ఉపయోగించే అవకాశం ఉంటుంది.
3. కంటైనరుల్/పాయ్కెటల్‌ను పగలగొటిట్ నివాస పార్ంతాల నుండి దూరంగా మటిట్లో పూడాచ్లి.

**నిలవ్ నిబంధనలు:**
1. పురుగుమందు కంటైనరల్‌ను ఆహార నిలవ్ చేసే పర్దేశాల నుండి దూరంగా, వేరే గదులోల్ లేదా తాళం వేసిన అలామ్రాలోల్ నిలవ్ చేయాలి.
2. నిలవ్ కోసం ఉపయోగించే గదులు లేదా భవనాలు దృఢంగా, పొడిగా, వెలుతురు కలిగి మరియు గాలివాటం ఉనన్విగా ఉండాలి; ఆవిరి వలల్ కాలుషయ్ం ఏరప్డకుండా తగిన సథ్లం ఉండాలి.

**రసాయన సమేమ్ళనం:**

| కర్మ సంఖయ్ | ఘటకం | వివరణ | పరిమాణం |
|---|---|---|---|
| 1 | థయామెథాకాస్మ్ కిర్యాశీల పదారథ్ం | - | 30.00% బరువు పర్కారం |
| 2 | గిల్సరిన్ | - | 5.10% బరువు పర్కారం |
| 3 | మోనాజో రంగు | (ఇరాగ్లిత్ రెడ్ సి 2 బి) | 3.40% బరువు పర్కారం |
| 4 | బూయ్టానాల్ కోపాలిమర్ | - | 4.30% బరువు పర్కారం |
| 5 | 1,2-బెంజిసోథియాజోల్-3-వన్ | - | 0.20% బరువు పర్కారం |
| 6 | పాలిథిలిన్ గైల్కాల్ | - | 2.60% బరువు పర్కారం |
| 7 | నీరు | - | అవసరమైనంత బరువు పర్కారం |
| | **మొతత్ం** | - | **100% బరువు పర్కారం** |

**హెచచ్రిక: ఈ లేబుల్/పతిర్కలో సూచించిన పంటలు తపప్ ఇతర పంటలపై ఉపయోగించకూడదు.**

# தையாமெத்தோக்சாம் 30 சதவீதம் எஃப் எஸ்
## (உள் புகும் பூச்சிக்கொல்லி)

தையாமெத்தோக்சாம் 30 சதவீதம் எஃப் எஸ் என்பது ஒரு பல்துறை பயன்பாட்டு உள் புகும் பூச்சிக்கொல்லியாகும். விதை சிகிச்சை செய்வதன் மூலம் பயிர்களின் ஆரம்ப நிலையிலேயே தோன்றும் சப்பும் பூச்சிகளை கட்டுப்படுத்துகிறது. பருத்தியில் தில்லு, ஆஃபிட் மற்றும் வெள்ளை ஈ; சோளம் மற்றும் மக்காச்சோளத்தில் முளை ஈ; கோதுமையில் வண்டுகள்; வெண்டையில் தில்லு; நெல்லில் சுருட்டுப் பூச்சி, பச்சை இலை துள்ளி மற்றும் சுழல் மேகட்; சூரியகாந்தியில் தில்லு மற்றும் சுருட்டுப் பூச்சி; சோயாபீனில் தண்டு ஈ மற்றும் மிளகாயில் சுருட்டுப் பூச்சி ஆகியவற்றின் கட்டுப்பாட்டிற்கு விதை சிகிச்சைக்காக பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. சப்பும் பூச்சிகளில் விரைவான தாக்கம் ஏற்படுத்துவதால் இலை மடிப்பு நோயைத் தடுக்கும்.

**பரிந்துரை:**

| பயிர் | பூச்சியின் பொதுப் பெயர் | ஹெக்டேருக்கு அளவு | | தண்ணீரில் கலப்பு (லிட்டர்) | கடைசி தெளிப்பில் இருந்து அறுவடை வரை காத்திருக்கும் காலம் (நாட்கள்) | ஒவ்வொரு பயன்பாட்டிற்குப் பிறகு மீண்டும் நுழையும் காலம் (மணிநேரம்) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | செயற்கூறு (கிராம் / கிலோ விதை) | கலவை (மி.லி. / கிலோ விதை) | | | |
| மிளகாய் | த்ரிப்ஸ் | 2.1 | 7 | – | – | – |
| பருத்தி | ஜாஸிட், அஃபிட், வெள்ளை ஈ | 3 | 10 | – | விதை சிகிச்சைக்காக பயன்படுத்தப்படுகிறது | – |
| மக்காச்சோளம் | சூட் ஃப்ளை | 2.4 | 8 | – | – | – |
| வெண்டை | ஜாஸிட் | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| நெல் | த்ரிப்ஸ், ஜி.எல்.எச், வோர்ல் மேகட் | 0.9 | 3 | – | – | – |
| சோளம் | சூட் ஃப்ளை | 3 | 10 | – | – | – |
| சோயாபீன் | ஸ்டெம் ஃப்ளை | 3 | 10 | – | – | – |
| சூரியகாந்தி | ஜாஸிட், த்ரிப்ஸ் | 3 | 10 | – | – | – |
| கோதுமை | கரையான் | 1 | 3.3 | – | – | – |

**பயன்பாட்டு முறை:**
சிறிய அளவிற்காக, சிகிச்சை செய்யப்படும் ஒவ்வொரு கிலோ விதைக்கும் 10–20 மி.லி. தண்ணீர் சேர்க்க வேண்டும். இந்த அடர்த்தியான கரைசலை விதைகளுடன் கலந்து, ஒரு பாத்திரத்தில் (பிளாஸ்டிக் டிரம் அல்லது பிளாஸ்டிக் பை) நன்றாக (பொதுவாக 1 நிமிடத்திற்கும் குறைவாக) குலுக்க வேண்டும்; விதைகள் முழுமையாக தையாமெத்தோக்சாம் 30 சதவீதம் எஃப் எஸ் மூலம் மூடப்படும் வரை. தையாமெத்தோக்சாம் 30 சதவீதம் எஃப் எஸ் ஐ கரைசல் வடிவில் பயன்படுத்த பரிந்துரைக்கப்படுகிறது; இதில் வணிக விதை சிகிச்சை இயந்திரம் தொடர்ந்து இயங்க வேண்டும். தயாரிப்பு முறை கீழே கொடுக்கப்பட்டுள்ளது.
1. கரைசல் தயாரிக்கும் தொட்டியில் தேவையான அளவின் பாதி தண்ணீர் சேர்க்கவும்.
2. நிர்ணயிக்கப்பட்ட அளவு தையாமெத்தோக்சாம் 30 சதவீதம் எஃப் எஸ் ஐ கலக்கிக் கொண்டே சேர்க்கவும்.
3. தயாரிப்பை முழுமையாக கலக்க விடவும்.
4. கலக்கும் அமைப்பை இயக்கவும் அல்லது கையால் கலக்கவும்.
5. மீதமுள்ள தண்ணீரை கரைசலில் சேர்க்கவும்.
6. பயன்படுத்தும் போது கரைசலை தொடர்ந்து கலக்கிக் கொள்ளவும்.
7. கரைசல் தயாரித்த பின் 24 மணி நேரத்திற்குள் பயன்படுத்த வேண்டும்.

பயன்பாட்டு முறை:
1. மேலே கூறியபடி அடர்த்தியான கரைசலை தயாரிக்கவும்.
2. பாத்திரத்தில் விதைகளை ஊற்றவும்.
3. விதைகளை கலக்கத் தொடங்கவும்.
4. தேவையான அளவு கரைசலை சேர்த்து விதைகளில் ஒட்டச் செய்யவும்.
5. சுமார் 30 விநாடிகள் முதல் 1 நிமிடம் வரை கலக்கவும்; இதனால் விதைகள் சமமாக சிகிச்சை பெறும். அதிக நேரம் கலக்கினால் விதைகளில் உராய்வு ஏற்பட்டு தூசி உருவாகலாம்.

**பயன்பாட்டு நேரம்:**
சி.ஐ.பி. வழிகாட்டுதல்களைப் பின்பற்றவும்.

**பயனாளர்களுக்கான முன்னெச்சரிக்கைகள்:**
கரைசல் தயாரிக்க சமையல் பாத்திரங்களை பயன்படுத்த வேண்டாம். கரைசலை கலக்க மரக்குச்சி பயன்படுத்தவும். தோல் தொடர்பைத் தவிர்க்க கையுறை அணியவும். மூச்சு வழியாக உட்புகுதல் மற்றும் கண்களுடன் தொடர்பு ஏற்படாமல் பார்த்துக் கொள்ளவும். தெளிக்கும் போது முககவசம், கண்ணாடி, பூட்ஸ் போன்ற பாதுகாப்பு உடைகளை அணியவும். தயாரிப்பை கையாளும், சேமிக்கும் அல்லது பயன்படுத்தும் போது உணவு, பானம் அல்லது புகைபிடித்தல் செய்ய வேண்டாம். பணிகள் முடிந்த பின் சோப்பு மற்றும் அதிக தண்ணீரால் கைகளை கழுவவும். பயன்படுத்திய உடைகளை மாற்றி நன்றாக கழுவவும்.

**விஷப்பாதிப்பு அறிகுறிகள்:**
விஷப்பாதிப்பால் உடலில் சோர்வு, மிருகம் போன்ற வலிப்பு மற்றும் ப்டோசிஸ் ஏற்படலாம்.

**முதற்கட்ட சிகிச்சை:**
பாதிக்கப்பட்டவரை மாசடைந்த இடத்திலிருந்து காற்றோட்டம் உள்ள அறை அல்லது திறந்த வெளிக்குக் கொண்டு சென்று வெப்பத்திலிருந்து பாதுகாக்கவும். அறிகுறிகள் தோன்றினால் உடனடியாக மருத்துவரை அழைக்கவும். தோலில் பட்டால்: மாசடைந்த உடைகளை அகற்றி பாதிக்கப்பட்ட பகுதியை சோப்பு மற்றும் தண்ணீரால் நன்றாக கழுவவும். கண்களில் பட்டால்: சில நேரம் சுத்தமான தண்ணீரால் கண்களை நன்றாக கழுவவும். விழுங்கினால்: தண்ணீரில் மெடிசினல் சார்கோல் கலந்து மீண்டும் மீண்டும் கொடுக்கவும். குறிப்பு: மயக்க நிலையில் உள்ள நோயாளிக்கு வாய்மூலம் எதையும் கொடுக்க வேண்டாம். வாந்தி எடுக்க முயற்சிக்க வேண்டாம்.

**தாவர விஷத்தன்மை:**
நிர்ணயிக்கப்பட்ட அளவின்படி பயன்படுத்தினால் பயிர்களுக்கு விஷத்தன்மை இல்லை.

**எதிர்விஷம்:**
குறிப்பிட்ட எதிர்விஷம் இல்லை. அறிகுறிகளின்படி சிகிச்சை அளிக்கவும்.

**காலியான கொள்கலன் அகற்றல்:**
1. சுற்றுச்சூழல் மாசுபாட்டைத் தவிர்க்க காலியான கொள்கலன்கள், மீதமுள்ள கரைசல்/பொருள் மற்றும் இயந்திர கழுவும் நீரை பாதுகாப்பான இடத்தில் அகற்றவும்.
2. பயன்படுத்திய கொள்கலன்/பேக்கெட்டுகளை அப்படியே வெளியே விட வேண்டாம்; மறுபயன்பாடு செய்ய வாய்ப்பு உள்ளது.
3. கொள்கலன்/பேக்கெட்டுகளை உடைத்து மக்கள் வசிப்பிடத்திலிருந்து தொலைவில் மண்ணில் புதைக்கவும்.

**சேமிப்பு நிபந்தனைகள்:**
1. பூச்சிக்கொல்லி கொள்கலன்களை உணவு சேமிக்கும் இடங்களிலிருந்து தொலைவில், தனி அறை அல்லது பூட்டு போடப்பட்ட அலமாரியில் வைக்கவும்.
2. சேமிப்பிற்கு பயன்படுத்தப்படும் அறைகள் அல்லது கட்டிடங்கள் உறுதியானவை, உலர்ந்தவை, வெளிச்சமுள்ளவை மற்றும் காற்றோட்டமுள்ளவை ஆக இருக்க வேண்டும்; வாயு மாசுபாடு ஏற்படாமல் போதிய இடம் இருக்க வேண்டும்.

**இரசாயன அமைப்பு:**

| வரிசை எண் | கூறு | விளக்கம் | அளவு |
|---|---|---|---|
| 1 | தையமேதோக்சாம் செயற்கூறு | - | 30.00% எடைக்கு ஏற்ப |
| 2 | கிளிசரின் | - | 5.10% எடைக்கு ஏற்ப |
| 3 | மோனாஸோ நிறம் | (இர்காலித் ரெட் சி 2 பி) | 3.40% எடைக்கு ஏற்ப |
| 4 | பியூட்டானால் கோபாலிமர் | - | 4.30% எடைக்கு ஏற்ப |
| 5 | 1,2-பென்சிஸோதையசோல்-3-ஒன் | - | 0.20% எடைக்கு ஏற்ப |
| 6 | போலிஇத்திலீன் கிளைகால் | - | 2.60% எடைக்கு ஏற்ப |
| 7 | தண்ணீர் | - | தேவையான அளவு எடைக்கு ஏற்ப |
| | மொத்தம் | - | **100% எடைக்கு ஏற்ப** |

**எச்சரிக்கை: இந்த லேபல்/கையேட்டில் குறிப்பிடப்பட்ட பயிர்கள் தவிர மற்ற பயிர்களில் பயன்படுத்தக் கூடாது.**

# ಥಿಯಾಮೆಥೋಕಾಸ್ಮ್ 30 ಶೇಕಡಾ ಎಫ್ ಎಸ್
## (ಅಂತರಪರ್ವಾಹಿ ಕೀಟನಾಶಕ)

ಥಿಯಾಮೆಥೋಕಾಸ್ಮ್ 30 ಶೇಕಡಾ ಎಫ್ ಎಸ್ ಒಂದು ಬಹುಉಪಯೋಗಿ ಅಂತರಪರ್ವಾಹಿ ಕೀಟನಾಶಕವಾಗಿದುದ್, ಬೀಜ ಚಿಕಿತೆಸ್ ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಬೆಳೆಗಳ ಆರಂಭಿಕ ಹಂತದಲಿಲ್ ಕಾಣಿಸಿಕೊಳುಳ್ವ ಚೂಷಕ ಕೀಟಗಳನುನ್ ನಿಯಂತಿರ್ಸುತತ್ದೆ. ಹತಿತ್ ಬೆಳೆಯಲಿಲ್ ತೇಲಾ, ಆಫಿಡ್ ಮತುತ್ ಬಿಳಿ ನೊಣ; ಜೋಳ ಮತುತ್ ಮೆಕೆಕ್ಜೋಳದಲಿಲ್ ಮೊಳಕು ನೊಣ; ಗೋಧಿಯಲಿಲ್ ಹುಳುಕು; ಬೆಂಡೆಯಲಿಲ್ ತೇಲಾ; ಭತತ್ದಲಿಲ್ ಚುರಡ, ಹಸಿರು ಎಲೆ ಜಿಗುಟು ಮತುತ್ ಚಕಾರ್ಕಾರದ ಮಾಯ್ಗಟ್; ಸೂರ್ಯಕಾಂತಿಯಲಿಲ್ ತೇಲಾ ಮತುತ್ ಚುರಡ; ಸೋಯಾಬೀನಿನಲಿಲ್ ಕಾಂಡ ನೊಣ ಹಾಗೂ ಮೆಣಸಿನಲಿಲ್ ಚುರಡ ನಿಯಂತರ್ಣಕಾಕ್ಗಿ ಬೀಜ ಚಿಕಿತೆಸ್ಗೆ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಚೂಷಕ ಕೀಟಗಳ ಮೇಲೆ ತವ್ರಿತ ಪರಿಣಾಮ ಇರುವುದರಿಂದ ಇದು ಎಲೆ ಮಡಚುವ ರೋಗವನುನ್ ತಡೆಯುತತ್ದೆ.

**ಶಿಫಾರಸು:**

| ಬೆಳೆ | ಕೀಟದ ಸಾಮಾನಯ್ ಹೆಸರು | ಹೆಕೆಟ್ೇರ್‌ಗೆ ಪರ್ಮಾಣ | | ನೀರಿನಲಿಲ್ ಕಲಿಸುವ ಪರ್ಮಾಣ (ಲೀಟರ್) | ಕೊನೆಯ ಸಿಂಪಡಣೆಯಿಂದ ಕೊಯಲ್ ತನಕ ಕಾಯುವ ಅವಧಿ (ದಿನಗಳು) | ಪರ್ತಿ ಬಳಕೆಯ ನಂತರ ಮರುಪರ್ವೇಶ ಅವಧಿ (ಗಂಟೆಗಳು) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ಕಿರ್ಯಾಶೀಲ ಅಂಶ (ಗಾರ್ಂ / ಕಿಲೋ ಬೀಜ) | ಫಾರ್ಮುಲೇಷನ್ (ಮಿ.ಲೀ. / ಕಿಲೋ ಬೀಜ) | | | |
| ಮೆಣಸು | ಥ್ರಿಪ್ಸ್ | 2.1 | 7 | – | – | – |
| ಹತ್ತಿ | ಜ್ಯಾಸಿಡ್, ಆಫಿಡ್, ಬಿಳಿ ನೊಣ | 3 | 10 | – | ಬೀಜ ಶೋಧನೆಗಾಗಿ ಬಳಸಲಾಗುತ್ತದೆ | – |
| ಮೆಕ್ಕೆಜೋಳ | ಶೂಟ್ ಫ್ಲೈ | 2.4 | 8 | – | – | – |
| ಬೆಂಡೆ | ಜ್ಯಾಸಿಡ್ | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| ಅಕ್ಕಿ | ಥ್ರಿಪ್ಸ್, ಜಿ.ಎಲ್.ಎಚ್., ವ್ಹೋರ್ಲ್ ಮ್ಯಾಗಟ್ | 0.9 | 3 | – | – | – |
| ಜೋಳ | ಶೂಟ್ ಫ್ಲೈ | 3 | 10 | – | – | – |
| ಸೋಯಾಬೀನ್ | ಸ್ಟೆಮ್ ಫ್ಲೈ | 3 | 10 | – | – | – |
| ಸೂರ್ಯಕಾಂತಿ | ಜ್ಯಾಸಿಡ್, ಥ್ರಿಪ್ಸ್ | 3 | 10 | – | – | – |
| ಗೋಧಿ | ಗೆದ್ದಲು | 1 | 3.3 | – | – | – |

**ಬಳಕೆ ವಿಧಾನ:**
ಥಿಯಾಮೆಥೋಕಾಸ್ಮ್ 30 ಶೇಕಡಾ ಎಫ್ ಎಸ್ ಒಂದು ಬಹುಉಪಯೋಗಿ ಅಂತರಪರ್ವಾಹಿ ಕೀಟನಾಶಕವಾಗಿದುದ್, ಬೀಜ ಚಿಕಿತೆಸ್ ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಬೆಳೆಗಳ ಆರಂಭಿಕ ಹಂತದಲಿಲ್ ಕಾಣಿಸಿಕೊಳುಳ್ವ ಚೂಷಕ ಕೀಟಗಳನುನ್ ನಿಯಂತಿರ್ಸುತತ್ದೆ. ಹತಿತ್ ಬೆಳೆಯಲಿಲ್ ತೇಲಾ, ಆಫಿಡ್ ಮತುತ್ ಬಿಳಿ ನೊಣ; ಜೋಳ ಮತುತ್ ಮೆಕೆಕ್ಜೋಳದಲಿಲ್ ಮೊಳಕು ನೊಣ; ಗೋಧಿಯಲಿಲ್ ಹುಳುಕು; ಬೆಂಡೆಯಲಿಲ್ ತೇಲಾ; ಭತತ್ದಲಿಲ್ ಚುರಡ, ಹಸಿರು ಎಲೆ ಜಿಗುಟು ಮತುತ್ ಚಕಾರ್ಕಾರದ ಮಾಯ್ಗಟ್; ಸೂರ್ಯಕಾಂತಿಯಲಿಲ್ ತೇಲಾ ಮತುತ್ ಚುರಡ; ಸೋಯಾಬೀನಿನಲಿಲ್ ಕಾಂಡ ನೊಣ ಹಾಗೂ ಮೆಣಸಿನಲಿಲ್ ಚುರಡ ನಿಯಂತರ್ಣಕಾಕ್ಗಿ ಬೀಜ ಚಿಕಿತೆಸ್ಗೆ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಚೂಷಕ ಕೀಟಗಳ ಮೇಲೆ ತವ್ರಿತ ಪರಿಣಾಮ ಇರುವುದರಿಂದ ಇದು ಎಲೆ ಮಡಚುವ ರೋಗವನುನ್ ತಡೆಯುತತ್ದೆ. ಚಿಕಕ್ ಗುಡೆಡ್ಗಾಗಿ, ಚಿಕಿತೆಸ್ಗೊಳಪಡಿಸಬೇಕಾದ ಪರ್ತಿ ಕಿಲೋ ಬೀಜಕೆಕ್ 10–20 ಮಿ.ಲೀ. ನೀರನುನ್ ಸೇರಿಸಬೇಕು. ಈ ಗಾಢ ದಾರ್ವಣವನುನ್ ಬೀಜಗಳೊಂದಿಗೆ ಮಿಶರ್ಣ ಮಾಡಿ ಯಾವುದೇ ಪಾತೆರ್ಯಲಿಲ್ (ಪಾಲ್ಸಿಟ್ಕ್ ಡರ್ಮ್ ಅಥವಾ ಪಾಲ್ಸಿಟ್ಕ್ ಚೀಲ) ಚೆನಾನ್ಗಿ (ಸಾಮಾನಯ್ವಾಗಿ 1 ನಿಮಿಷಕಿಕ್ಂತ ಕಡಿಮೆ) ಅಲುಗಾಡಿಸಬೇಕು, ಬೀಜಗಳು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಥಿಯಾಮೆಥೋಕಾಸ್ಮ್ 30 ಶೇಕಡಾ ಎಫ್ ಎಸ್ ನಿಂದ ಲೇಪಿತವಾಗುವವರೆಗೆ. ಥಿಯಾಮೆಥೋಕಾಸ್ಮ್ 30 ಶೇಕಡಾ ಎಫ್ ಎಸ್ ಅನುನ್ ಗಾರ ರೂಪದಲಿಲ್ ಬಳಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ; ಈ ಸಂದರ್ಭದಲಿಲ್ ವಾಣಿಜಯ್ ಬೀಜ ಚಿಕಿತಾಸ್ ಯಂತರ್ವನುನ್ ನಿರಂತರವಾಗಿ ಕಾರ್ಯನಿರ್ವಹಿಸಬೇಕು. ತಯಾರಿಸುವ ವಿಧಾನ ಕೆಳಗಿನಂತಿದೆ.
1. ದಾರ್ವಣ ತಯಾರಿಸುವ ಟಾಯ್ಂಕಿಗೆ ಅಗತಯ್ವಿರುವ ನೀರಿನ ಅರ್ಧ ಪರ್ಮಾಣವನುನ್ ಸೇರಿಸಿ.
2. ನಿಗದಿತ ಪರ್ಮಾಣದ ಥಿಯಾಮೆಥೋಕಾಸ್ಮ್ 30 ಶೇಕಡಾ ಎಫ್ ಎಸ್ ಅನುನ್ ಅಲುಗಾಡಿಸುತಾತ್ ಸೇರಿಸಿ.
3. ಉತಪ್ನನ್ವು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಮಿಶರ್ಣವಾಗಲು ಬಿಡಿ.
4. ಅಲುಗಾಟ ವಯ್ವಸೆಥ್ಯನುನ್ ಆನ್ ಮಾಡಿ ಅಥವಾ ಕೈಯಿಂದ ಅಲುಗಾಡಿಸಿ.
5. ಉಳಿದ ನೀರನುನ್ ದಾರ್ವಣಕೆಕ್ ಸೇರಿಸಿ.
6. ಬಳಕೆಯ ಸಮಯದಲಿಲ್ ದಾರ್ವಣವನುನ್ ನಿರಂತರವಾಗಿ ಅಲುಗಾಡಿಸುತಿತ್ರಿ.
7. ದಾರ್ವಣ ತಯಾರಿಸಿದ ನಂತರ 24 ಗಂಟೆಗಳೊಳಗೆ ಬಳಸಬೇಕು.

ಬಳಕೆಯ ವಿಧಾನ:
1. ಮೇಲಿನಂತೆ ಗಾಢ ದಾರ್ವಣವನುನ್ ತಯಾರಿಸಿ.
2. ಪಾತೆರ್ಯಲಿಲ್ ಬೀಜಗಳನುನ್ ಹಾಕಿ.
3. ಬೀಜಗಳನುನ್ ಮಿಶರ್ಣ ಮಾಡಲು ಪಾರ್ರಂಭಿಸಿ.
4. ಅಗತಯ್ ಪರ್ಮಾಣದ ದಾರ್ವಣವನುನ್ ಸೇರಿಸಿ ಬೀಜಗಳಿಗೆ ಲೇಪವಾಗುವಂತೆ ಮಾಡಿ.
5. ಸುಮಾರು 30 ಸೆಕೆಂಡುಗಳಿಂದ 1 ನಿಮಿಷದವರೆಗೆ ಮಿಶರ್ಣ ಮಾಡಿ; ಇದರಿಂದ ಬೀಜಗಳು ಸಮಾನವಾಗಿ ಚಿಕಿತೆಸ್ಗೊಳಗಾಗುತತ್ವೆ. ಹೆಚುಚ್ ಸಮಯ ಮಿಶರ್ಣ ಮಾಡಿದರೆ ಬೀಜಗಳಿಗೆ ಘರ್ಷಣೆ ಉಂಟಾಗಿ ಧೂಳು ಜಮೆಯಾಗಬಹುದು.

**ಬಳಕೆಯ ಸಮಯ:**
ಸಿ.ಐ.ಬಿ. ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳನುನ್ ಅನುಸರಿಸಿ.

**ಬಳಕೆದಾರರಿಗಾಗಿ ಮುನೆನ್ಚಚ್ರಿಕೆಗಳು:**
ದಾರ್ವಣ ತಯಾರಿಸಲು ಅಡುಗೆ ಪಾತೆರ್ಗಳನುನ್ ಬಳಸಬೇಡಿ. ದಾರ್ವಣವನುನ್ ಅಲುಗಾಡಿಸಲು ಮರದ ಕಡಿಡ್ಯನುನ್ ಬಳಸಿ. ಚರ್ಮದ ಸಂಪರ್ಕ ತಪಿಪ್ಸಲು ಕೈಗವಸು ಧರಿಸಿ. ಉಸಿರಾಟದ ಮೂಲಕ ಒಳಗೆ ಹೋಗುವುದು ಮತುತ್ ಕಣುಣ್ಗಳಿಗೆ ತಾಗುವುದು ತಪಿಪ್ಸಿ. ಸಿಂಪಡಿಸುವಾಗ ಮುಖವಾಡ, ಕಣಣ್ಜೋಡಿ, ಬೂಟುಗಳು ಮುಂತಾದ ರಕಷ್ಣಾ ಉಡುಪುಗಳನುನ್ ಧರಿಸಿ. ಉತಪ್ನನ್ವನುನ್ ಕೈಲಾಡಿಸುವಾಗ, ಸಂಗರ್ಹಿಸುವಾಗ ಅಥವಾ ಬಳಸುವಾಗ ತಿನುನ್ವುದು, ಕುಡಿಯುವುದು ಅಥವಾ ಧೂಮಪಾನ ಮಾಡಬೇಡಿ. ಕೆಲಸ ಮುಗಿದ ನಂತರ ಕೈಗಳನುನ್ ಸಾಬೂನು ಮತುತ್ ಸಾಕಷುಟ್ ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಧರಿಸಿದ ಬಟೆಟ್ಗಳನುನ್ ಬದಲಿಸಿ ಚೆನಾನ್ಗಿ ತೊಳೆಯಿರಿ.

**ವಿಷಲಕಷ್ಣಗಳು:**
ವಿಷಬಾಧೆಯಿಂದ ದೇಹದಲಿಲ್ ಶಿಥಿಲತೆ, ಅಪಸಾಮ್ರದಂತಹ ಆಕಸಿಮ್ಕ ಕುಲುಕುಗಳು ಮತುತ್ ಪೊಟೋಸಿಸ್ ಕಾಣಿಸಬಹುದು.

**ಪಾರ್ಥಮಿಕ ಚಿಕಿತೆಸ್:**
ಪೀಡಿತ ವಯ್ಕಿತ್ಯನುನ್ ಮಾಲಿನಯ್ಗೊಂಡ ಸಥ್ಳದಿಂದ ಗಾಳಿಯಾಡುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ತೆರೆದ ಸಥ್ಳಕೆಕ್ ಕರೆದೊಯಿಯ್ ಮತುತ್ ತಾಪದಿಂದ ರಕಿಷ್ಸಿ. ಲಕಷ್ಣಗಳು ಕಾಣಿಸಿದರೆ ತಕಷ್ಣ ವೈದಯ್ರನುನ್ ಕರೆಸಿ. ಚರ್ಮಕೆಕ್ ತಗುಲಿದರೆ: ಮಾಲಿನಯ್ಗೊಂಡ ಬಟೆಟ್ಗಳನುನ್ ತೆಗೆದು ಪರಿಣಾಮಿತ ಭಾಗವನುನ್ ಸಾಬೂನು ಮತುತ್ ನೀರಿನಿಂದ ಚೆನಾನ್ಗಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಕಣುಣ್ಗಳಿಗೆ ತಗುಲಿದರೆ: ಸವ್ಲಪ್ ಸಮಯ ಶುದಧ್ ನೀರಿನಿಂದ ಕಣುಣ್ಗಳನುನ್ ಚೆನಾನ್ಗಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. ನುಂಗಿದರೆ: ನೀರಿನಲಿಲ್ ಮೆಡಿಸಿನಲ್ ಚಾರ್ಕೋಲ್ ಮಿಶರ್ಣ ಮಾಡಿ ಮರುಮರು ನೀಡಿ. ಸೂಚನೆ: ಅಚೇತನ ರೋಗಿಗೆ ಬಾಯಿಯಿಂದ ಯಾವುದನೂನ್ ಕೊಡಬೇಡಿ. ವಾಂತಿ ಮಾಡಿಸಲು ಪರ್ಯತಿನ್ಸಬೇಡಿ.

**ಸಸಯ್ ವಿಷಕಾರಿತನ:**
ನಿಗದಿತ ಪರ್ಮಾಣದಂತೆ ಬಳಸಿದರೆ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ವಿಷಕಾರಿತನ ಇಲಲ್.

**ಪರ್ತಿವಿಷ:**
ಯಾವುದೇ ವಿಶೇಷ ಪರ್ತಿವಿಷ ಲಭಯ್ವಿಲಲ್. ಲಕಷ್ಣಗಳ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ಚಿಕಿತೆಸ್ ನೀಡಿರಿ.

**ಖಾಲಿ ಡಬೆಬ್ಗಳ ವಿಲೇವಾರಿ:**
1. ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನಯ್ ತಪಿಪ್ಸಲು ಖಾಲಿ ಡಬೆಬ್ಗಳು, ಉಳಿದ ದಾರ್ವಣ/ಪದಾರ್ಥ ಮತುತ್ ಯಂತರ್ಗಳ ತೊಳೆಯುವ ನೀರನುನ್ ಸುರಕಿಷ್ತ ಸಥ್ಳದಲಿಲ್ ವಿಲೇವಾರಿ ಮಾಡಿ.
2. ಬಳಸಿದ ಡಬೆಬ್ಗಳು/ಪಾಯ್ಕೆಟ್‌ಗಳನುನ್ ಹಾಗೆಯೇ ಹೊರಗೆ ಬಿಡಬೇಡಿ; ಮರುಬಳಕೆಗೆ ಅವಕಾಶ ಇರಬಹುದು.
3. ಡಬೆಬ್ಗಳು/ಪಾಯ್ಕೆಟ್‌ಗಳನುನ್ ಒಡೆದು ಜನವಸತಿ ಪರ್ದೇಶಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ ನೆಲದಲಿಲ್ ಹೂತುಹಾಕಿ.

**ಸಂಗರ್ಹಣ ನಿಯಮಗಳು:**
1. ಕೀಟನಾಶಕ ಡಬೆಬ್ಗಳನುನ್ ಆಹಾರ ಸಂಗರ್ಹ ಸಥ್ಳಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ, ಪರ್ತೆಯ್ೕಕ ಕೋಣೆಗಳಲಿಲ್ ಅಥವಾ ಬೀಗ ಹಾಕಿದ ಅಲಮಾರಿಗಳಲಿಲ್ ಇಡಿ.
2. ಸಂಗರ್ಹಣೆಗೆ ಬಳಸುವ ಕೋಣೆಗಳು ಅಥವಾ ಕಟಟ್ಡಗಳು ಬಲಿಷಠ್ವಾಗಿದುದ್, ಒಣವಾಗಿದುದ್, ಬೆಳಕು ಮತುತ್ ಗಾಳಿಯಾಡುವಂತಿರಬೇಕು ಹಾಗೂ ವಾಷಪ್ದಿಂದ ಮಾಲಿನಯ್ ಉಂಟಾಗದಂತೆ ಸಾಕಷುಟ್ ಜಾಗ ಇರಬೇಕು.

**ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ:**

| ಕರ್ಮ ಸಂಖೆಯ್ | ಘಟಕ | ವಿವರಣೆ | ಪರ್ಮಾಣ |
|---|---|---|---|
| 1 | ಥೈಯಾಮೆಥಾಕ್ಸಾಮ್ ಕ್ರಿಯಾಶೀಲ ಅಂಶ | - | 30.00% ತೂಕದಂತೆ |
| 2 | ಗ್ಲಿಸರಿನ್ | - | 5.10% ತೂಕದಂತೆ |
| 3 | ಮೋನಾಜೋ ಬಣ್ಣ | (ಇರ್ಗಾಲಿಥ್ ರೆಡ್ ಸಿ 2 ಬಿ) | 3.40% ತೂಕದಂತೆ |
| 4 | ಬ್ಯೂಟಾನಾಲ್ ಕೋಪಾಲಿಮರ್ | - | 4.30% ತೂಕದಂತೆ |
| 5 | 1,2-ಬೆಂಜಿಸೋಥಿಯಾಜೋಲ್-3-ವನ್ | - | 0.20% ತೂಕದಂತೆ |
| 6 | ಪಾಲಿಥಿಲಿನ್ ಗ್ಲೈಕಾಲ್ | - | 2.60% ತೂಕದಂತೆ |
| 7 | ನೀರು | - | ಅಗತ್ಯ ಪ್ರಮಾಣ ತೂಕದಂತೆ |
| | **ಒಟ್ಟು** | - | **100% ತೂಕದಂತೆ** |

**ಎಚಚ್ರಿಕೆ: ಈ ಲೇಬಲ್/ಪತಿರ್ಕೆಯಲಿಲ್ ಸೂಚಿಸಿರುವ ಬೆಳೆಗಳ ಹೊರತಾಗಿ ಇತರ ಬೆಳೆಗಳಲಿಲ್ ಬಳಸಬಾರದು.**

# ਥਾਇਮੇਥੋਕਸਾਮ 30 ਪਰ੍ਤੀਸ਼ਤ ਐਫ ਐਸ
## (ਅੰਤਰਪਰ੍ਵਾਹੀ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ)

ਥਾਇਮੇਥੋਕਸਾਮ 30 ਪਰ੍ਤੀਸ਼ਤ ਐਫ ਐਸ ਇੱਕ ਬਹੁਉਪਯੋਗੀ ਅੰਤਰਪਰ੍ਵਾਹੀ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਹੈ, ਜੋ ਬੀਜ ਇਲਾਜ ਕਰਨ ਨਾਲ ਫਸਲ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਪੜਾਅ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਚੂਸਕ ਕੀੜਿਆਂ ਨੂੰ ਨਿਯੰਤਰਿਤ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਪਾਹ ਵਿੱਚ ਤੇਲਾ, ਮਾਹੂ ਅਤੇ ਸਫੈਦ ਮੱਖੀ; ਜਵਾਰ ਅਤੇ ਮੱਕੀ ਵਿੱਚ ਪਰ੍ਰੋਹ ਮੱਖੀ; ਗਹੂੰ ਵਿੱਚ ਦੀਮਕ; ਭਿੰਡੀ ਵਿੱਚ ਤੇਲਾ; ਧਾਨ ਵਿੱਚ ਚੁਰੜਾ, ਹਰਾ ਪੱਤਾ ਫੁਦਕਾ ਅਤੇ ਚਕਰੀ ਮੈਗਟ; ਸੂਰਜਮੁਖੀ ਵਿੱਚ ਤੇਲਾ ਅਤੇ ਚੁਰੜਾ; ਸੋਯਾਬੀਨ ਵਿੱਚ ਤਣਾ ਮੱਖੀ ਅਤੇ ਮਿਰਚ ਵਿੱਚ ਚੁਰੜਾ ਦੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਲਈ ਬੀਜ ਇਲਾਜ ਵਜੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਚੂਸਕ ਕੀੜਿਆਂ 'ਤੇ ਤੇਜ਼ ਪਰ੍ਭਾਵ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਇਹ ਪੱਤਾ ਮੋੜਕ ਰੋਗ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਕਰਦਾ ਹੈ।

**ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼:**

| ਫਸਲ | ਕੀੜੇ ਦਾ ਆਮ ਨਾਮ | ਪਰ੍ਤੀ ਹੈਕਟੇਅਰ ਮਾਤਰਾ | | ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਘੋਲ (ਲੀਟਰ) | ਆਖਰੀ ਛਿੜਕਾਅ ਤੋਂ ਕਟਾਈ ਤੱਕ ਉਡੀਕ ਸਮਾਂ (ਦਿਨ) | ਹਰ ਵਰਤੋਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੁਬਾਰਾ ਦਾਖਲਾ ਸਮਾਂ (ਘੰਟੇ) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ਸਰਗਰਮ ਤੱਤ (ਗਰ੍ਰਾਮ ਪਰ੍ਤੀ ਕਿਲੋ ਬੀਜ) | ਫਾਰਮੂਲੇਸ਼ਨ (ਮਿ.ਲੀ. ਪਰ੍ਤੀ ਕਿਲੋ ਬੀਜ) | | | |
| ਮਿਰਚ | ਥਿਰ੍ਪਸ | 2.1 | 7 | – | – | – |
| ਕਪਾਹ | ਜੈਸਿਡ, ਐਫਿਡ, ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ | 3 | 10 | – | ਬੀਜ ਉਪਚਾਰ ਲਈ ਵਰਤੋਂ | – |
| ਮੱਕੀ | ਸ਼ੂਟ ਫਲਾਈ | 2.4 | 8 | – | – | – |
| ਭਿੰਡੀ | ਜੈਸਿਡ | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| ਧਾਨ | ਥਿਰ੍ਪਸ, ਜੀ.ਐਲ.ਐਚ., ਵਹੋਰਲ ਮੈਗਟ | 0.9 | 3 | – | – | – |
| ਜਵਾਰ | ਸ਼ੂਟ ਫਲਾਈ | 3 | 10 | – | – | – |
| ਸੋਯਾਬੀਨ | ਸਟੇਮ ਫਲਾਈ | 3 | 10 | – | – | – |
| ਸੂਰਜਮੁਖੀ | ਜੈਸਿਡ, ਥਿਰ੍ਪਸ | 3 | 10 | – | – | – |
| ਗੇਹੂੰ | ਦੀਮਕ | 1 | 3.3 | – | – | – |

**ਵਰਤੋਂ ਦੀ ਵਿਧੀ:**
ਛੋਟੀ ਢੇਰੀ ਲਈ, ਇਲਾਜ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਹਰ ਕਿਲੋ ਬੀਜ ਲਈ 10–20 ਮਿ.ਲੀ. ਪਾਣੀ ਮਿਲਾਓ। ਇਸ ਗਾੜ੍ਹੇ ਘੋਲ ਨੂੰ ਬੀਜਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਕੇ ਕਿਸੇ ਡੱਬੇ (ਪਲਾਸਟਿਕ ਦਾ ਪੀਪਾ ਜਾਂ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਥੈਲੀ) ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰਹ੍ਾਂ (ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਇੱਕ ਮਿੰਟ ਤੋਂ ਘੱਟ) ਹਿਲਾਓ, ਜਦ ਤੱਕ ਬੀਜ ਪੂਰੀ ਤਰਹ੍ਾਂ ਥਾਇਮੇਥੋਕਸਾਮ 30 ਪਰ੍ਤੀਸ਼ਤ ਐਫ ਐਸ ਨਾਲ ਲਿਪਤ ਨਾ ਹੋ ਜਾਣ। ਥਾਇਮੇਥੋਕਸਾਮ 30 ਪਰ੍ਤੀਸ਼ਤ ਐਫ ਐਸ ਨੂੰ ਗਾਰੇ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਵਰਤਣ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੌਰਾਨ ਵਪਾਰਕ ਬੀਜ ਇਲਾਜ ਯੰਤਰ ਲਗਾਤਾਰ ਚਲਾਇਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਵਿਧੀ ਹੇਠ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ।
1. ਘੋਲ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੀ ਟੈਂਕੀ ਵਿੱਚ ਲੋੜ ਤੋਂ ਅੱਧਾ ਪਾਣੀ ਪਾਓ।
2. ਨਿਰਧਾਰਤ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਥਾਇਮੇਥੋਕਸਾਮ 30 ਪਰ੍ਤੀਸ਼ਤ ਐਫ ਐਸ ਹਿਲਾਉਂਦੇ ਹੋਏ ਮਿਲਾਓ।
3. ਉਤਪਾਦ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰਹ੍ਾਂ ਘੁਲਣ ਦਿਓ।
4. ਘੋਲਣ ਪਰ੍ਣਾਲੀ ਦਾ ਸਵਿੱਚ ਚਾਲੂ ਕਰੋ ਜਾਂ ਹੱਥ ਨਾਲ ਹਿਲਾਓ।
5. ਬਾਕੀ ਪਾਣੀ ਘੋਲ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰੋ।
6. ਵਰਤੋਂ ਦੌਰਾਨ ਘੋਲ ਨੂੰ ਹਿਲਾਉਂਦੇ ਰਹੋ।
7. ਘੋਲ ਤਿਆਰ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ 24 ਘੰਟਿਆਂ ਅੰਦਰ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ।

ਵਰਤੋਂ ਦੀ ਵਿਧੀ:
1. ਉੱਪਰ ਦੱਸੇ ਅਨੁਸਾਰ ਗਾੜ੍ਹਾ ਘੋਲ ਤਿਆਰ ਕਰੋ।
2. ਬਰਤਨ ਵਿੱਚ ਬੀਜ ਪਾਓ।
3. ਬੀਜ ਮਿਲਾਉਣ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕਰੋ।
4. ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਘੋਲ ਪਾ ਕੇ ਬੀਜਾਂ 'ਤੇ ਲੱਗਣ ਦਿਓ।
5. ਲਗਭਗ 30 ਸਕਿੰਟ ਤੋਂ ਇੱਕ ਮਿੰਟ ਤੱਕ ਮਿਲਾਓ ਤਾਂ ਜੋ ਬੀਜ ਸਮਾਨ ਤੌਰ 'ਤੇ ਇਲਾਜ ਹੋ ਜਾਣ। ਵੱਧ ਸਮਾਂ ਮਿਲਾਉਣ ਨਾਲ ਬੀਜਾਂ 'ਤੇ ਘਿਸਾਈ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਧੂੜ ਜਮ ਸਕਦੀ ਹੈ।

**ਵਰਤੋਂ ਦਾ ਸਮਾਂ:**
ਸੀ.ਆਈ.ਬੀ. ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰੋ।

**ਪਰ੍ਯੋਗਕਰਤਿਆਂ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ:**
ਛਿੜਕਾਅ ਲਈ ਘੋਲ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਖਾਣਾ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੇ ਬਰਤਨ ਨਾ ਵਰਤੋ। ਘੋਲ ਹਿਲਾਉਣ ਲਈ ਲੱਕੜੀ ਦੀ ਛੜੀ ਵਰਤੋ। ਚਮੜੀ ਨੂੰ ਸੰਪਰਕ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਦਸਤਾਨੇ ਪਹਿਨੋ। ਸਾਹ ਰਾਹੀਂ ਅੰਦਰ ਜਾਣ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਤੋਂ ਬਚੋ। ਛਿੜਕਾਅ ਦੌਰਾਨ ਮਾਸਕ, ਚਸ਼ਮਾ, ਬੂਟ ਆਦਿ ਸੁਰੱਖਿਆ ਕੱਪੜੇ ਪਹਿਨੋ। ਉਤਪਾਦ ਨੂੰ ਉਠਾਉਂਦੇ, ਸੰਭਾਲਦੇ ਜਾਂ ਵਰਤਦੇ ਸਮੇਂ ਖਾਣਾ, ਪੀਣਾ ਜਾਂ ਧੂਮਰਪਾਨ ਨਾ ਕਰੋ। ਕੰਮ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਣ 'ਤੇ ਹੱਥ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਵੱਧ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਪਹਿਨੇ ਕੱਪੜੇ ਬਦਲ ਕੇ ਚੰਗੀ ਤਰਹ੍ਾਂ ਧੋਵੋ।

**ਵਿਸ਼ਬਾਧਾ ਦੇ ਲੱਛਣ:**
ਵਿਸ਼ਬਾਧਾ ਨਾਲ ਸਰੀਰ ਵਿੱਚ ਢੀਲਾਪਣ, ਮਿਰਗੀ ਵਰਗੇ ਦੌਰੇ ਅਤੇ ਪਟੋਸਿਸ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ।

**ਪਰ੍ਾਥਮਿਕ ਇਲਾਜ:**
ਪਰ੍ਭਾਵਿਤ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਪਰ੍ਦੂਸ਼ਿਤ ਥਾਂ ਤੋਂ ਹਵਾ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਖੁੱਲਹ੍ੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਗਰਮੀ ਤੋਂ ਬਚਾਓ। ਲੱਛਣ ਦਿਖਾਈ ਦੇਣ 'ਤੇ ਤੁਰੰਤ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। ਚਮੜੀ 'ਤੇ ਲੱਗਣ 'ਤੇ: ਪਰ੍ਦੂਸ਼ਿਤ ਕੱਪੜੇ ਉਤਾਰ ਕੇ ਪਰ੍ਭਾਵਿਤ ਹਿੱਸਿਆਂ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰਹ੍ਾਂ ਧੋਵੋ। ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਚਲੇ ਜਾਣ 'ਤੇ: ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਸਮਾਂ ਸਾਫ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਨਿਗਲਣ 'ਤੇ: ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਮੈਡੀਸਿਨਲ ਚਾਰਕੋਲ ਮਿਲਾ ਕੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਦਿਓ। ਸੂਚਨਾ: ਬੇਹੋਸ਼ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਵੀ ਨਾ ਦਿਓ। ਉਲਟੀ ਕਰਵਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਾ ਕਰੋ।

**ਫਸਲ ਵਿਸ਼ਾਕਤਤਾ:**
ਨਿਰਧਾਰਤ ਮਾਤਰਾ ਅਨੁਸਾਰ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ 'ਤੇ ਫਸਲ ਲਈ ਵਿਸ਼ਾਕਤ ਨਹੀ ਹੈ।

**ਪਰ੍ਤਿਵਿਸ਼:**
ਕੋਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪਰ੍ਤਿਵਿਸ਼ ਨਹੀ। ਲੱਛਣਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

**ਖਾਲੀ ਡੱਬਿਆਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ:**
1. ਵਾਤਾਵਰਣ ਨੂੰ ਪਰ੍ਦੂਸ਼ਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਖਾਲੀ ਡੱਬੇ, ਬਚਿਆ ਹੋਇਆ ਘੋਲ/ਪਦਾਰਥ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਧੋਣੀ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਥਾਂ 'ਤੇ ਕਰੋ।
2. ਵਰਤੇ ਹੋਏ ਡੱਬੇ/ਪੈਕਟ ਇਸ ਤਰਹ੍ਾਂ ਨਾ ਛੱਡੋ ਕਿ ਉਹ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤੇ ਜਾ ਸਕਣ।
3. ਡੱਬਿਆਂ/ਪੈਕਟਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿੱਚ ਦੱਬ ਦਿਓ।

**ਸੰਭਾਲ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ:**
1. ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਡੱਬੇ ਖਾਦ ਸਮੱਗਰੀ ਵਾਲੀਆਂ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਦੂਰ, ਵੱਖਰੇ ਕਮਰਿਆਂ ਜਾਂ ਤਾਲਾਬੰਦ ਅਲਮਾਰੀਆਂ ਵਿੱਚ ਰੱਖੋ।
2. ਸੰਭਾਲ ਲਈ ਵਰਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਮਜ਼ਬੂਤ, ਸੁੱਕੇ, ਰੋਸ਼ਨ ਅਤੇ ਹਵਾਦਾਰ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨਹ੍ਾਂ ਵਿੱਚ ਕਾਫ਼ੀ ਜਗਹ੍ਾ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਵਾਸ਼ਪ ਨਾਲ ਪਰ੍ਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਹੋਵੇ।

**ਰਸਾਇਣਿਕ ਬਣਤਰ:**

| ਕਰ੍ਮ ਸੰਖਿਆ | ਘਟਕ | ਵੇਰਵਾ | ਮਾਤਰਾ |
|---|---|---|---|
| 1 | ਥਾਇਮੇਥੋਕਸਾਮ ਸਰਗਰਮ ਤੱਤ | - | 30.00% ਭਾਰ ਅਨੁਸਾਰ |
| 2 | ਗਲਿਸਰੀਨ | - | 5.10% ਭਾਰ ਅਨੁਸਾਰ |
| 3 | ਮੋਨਾਜ਼ੋ ਰੰਗ | (ਇਰਗਾਲਿਥ ਰੈਡ ਸੀ 2 ਬੀ) | 3.40% ਭਾਰ ਅਨੁਸਾਰ |
| 4 | ਬਿਊਟਾਨੋਲ ਕੋਪੋਲੀਮਰ | - | 4.30% ਭਾਰ ਅਨੁਸਾਰ |
| 5 | 1,2-ਬੈਂਜ਼ਿਸੋਥਾਇਅਜ਼ੋਲ-3-ਵਨ | - | 0.20% ਭਾਰ ਅਨੁਸਾਰ |
| 6 | ਪੋਲੀਥੀਲਿਨ ਗਲਾਈਕੋਲ | - | 2.60% ਭਾਰ ਅਨੁਸਾਰ |
| 7 | ਪਾਣੀ | - | ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਭਾਰ ਅਨੁਸਾਰ |
| | **ਕੁੱਲ** | - | **100% ਭਾਰ ਅਨੁਸਾਰ** |

**ਚੇਤਾਵਨੀ: ਇਸ ਲੇਬਲ/ਪੰਫ਼ਲੈਟ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਏ ਗਏ ਫਸਲਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੋਰ ਫਸਲਾਂ ਉੱਤੇ ਵਰਤੋਂ ਨਾ ਕਰੋ।**

# থায়ামেথোক্সাম 30 শতাংশ এফ এস
## (অন্তঃপর্বাহী কীটনাশক)

থায়ামেথোক্সাম 30 শতাংশ এফ এস একটি বহুমুখী অন্তঃপর্বাহী কীটনাশক, যা বীজ শোধন করার ফলে ফসলের পর্াথমিক পযর্ায়ে আকর্মণকারী চোষক পোকামাকড় নিয়ন্তর্ণ করে। এটি তুলা ফসলে তেলা, মাউ ও সাদা মাছি; জোয়ার ও ভুট্টায় পর্রোহ মাছি; গমে দিমক; ঢেঁড়সে তেলা; ধানে চুরড়া, সবুজ পাতাফড়িং ও চকর্াকার মযাগট; সুযর্মুখীতে তেলা ও চুরড়া; সয়াবিনে কাণ্ড মাছি এবং মরিচে চুরড়া নিয়ন্তর্ণের জনয্ বীজ শোধনে সুপারিশকৃত। চোষক পোকামাকড়ের ওপর দরুত কাযর্কারিতার কারণে এটি পাতামোড়ানো রোগ পর্তিরোধ করে।

**সুপারিশ:**

| ফসল | পোকার সাধারণ নাম | প্রতি হেক্টর মাত্রা | | পানিতে মিশ্রণ (লিটার) | শেষ স্প্রে থেকে কাটাই পর্যন্ত অপেক্ষার সময় (দিন) | প্রতিবার প্রয়োগের পর পুনঃপ্রবেশ সময় (ঘন্টা) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | সক্রিয় উপাদান (গ্রাম প্রতি কিলোগ্রাম বীজ) | ফর্মুলেশন (মি.লি. প্রতি কিলোগ্রাম বীজ) | | | |
| মরিচ | থ্রিপস | 2.1 | 7 | – | – | – |
| তুলা | জ্যাসিড, এফিড, সাদা মাছি | 3 | 10 | – | বীজ শোধনে ব্যবহার | – |
| ভুট্টা | শুট ফ্লাই | 2.4 | 8 | – | – | – |
| ঢেঁড়স | জ্যাসিড | 1.7 | 5.7 | – | – | – |
| ধান | থ্রিপস, জি.এল.এইচ., হোয়ার্ল ম্যাগট | 0.9 | 3 | – | – | – |
| জোয়ার | শুট ফ্লাই | 3 | 10 | – | – | – |
| সয়াবিন | স্টেম ফ্লাই | 3 | 10 | – | – | – |
| সূর্যমুখী | জ্যাসিড, থ্রিপস | 3 | 10 | – | – | – |
| গম | দিমক | 1 | 3.3 | – | – | – |

**বয্বহারের নিদের্শনা:**
ছোট স্তূপের জনয্, পর্কির্য়াকৃত পর্তি কেজি বীজের জনয্ 10–20 মি.লি. পানি মেশান। এই ঘন দর্বণটি বীজের সঙ্গে মিশিয়ে কোনো পাতের্ (প্লাস্টিকের ডরাম বা প্লাস্টিকের বয্াগ) ভালোভাবে (সাধারণত 1 মিনিটের কম সময়) নাড়ুন, যতক্ষণ না বীজ সম্পূণর্ভাবে থায়ামেথোক্সাম 30 শতাংশ এফ এস দব্ারা আবৃত হয়। থায়ামেথোক্সাম 30 শতাংশ এফ এস গারার আকারে বয্বহার করার সুপারিশ করা হয়, যেখানে বাণিজিয্ক বীজ শোধন যন্তর্ অবিরত চালু রাখতে হবে। পর্স্তুতির পদ্ধতি নিচে দেওয়া হলো।
1. দর্বণ তৈরির ট্যাঙ্কে পর্য়োজনীয় পানির অধের্ক ঢালুন।
2. নিধর্ারিত মাতর্ায় থায়ামেথোক্সাম 30 শতাংশ এফ এস নাড়তে নাড়তে যোগ করুন।
3. উৎপাদনটি সম্পূণর্ভাবে মিশে যেতে দিন।
4. নাড়ানোর বয্বস্থা চালু করুন বা হাতে নাড়ুন।
5. অবশিষ্ট পানি দর্বণে যোগ করুন।
6. বয্বহারের সময় দর্বণটি নাড়তে থাকুন।
7. দর্বণ তৈরি হওয়ার পর 24 ঘণ্টার মধ্যে বয্বহার করুন।

বয্বহারের পদ্ধতি:
1. উপরে বণির্ত নিয়ম অনুযায়ী ঘন দর্বণ পর্স্তুত করুন।
2. পাতের্ বীজ ঢালুন।
3. বীজ মেশানো শুরু করুন।
4. পর্য়োজনীয় পরিমাণ দর্বণ যোগ করে বীজে লাগতে দিন।
5. পর্ায় 30 সেকেন্ড থেকে 1 মিনিট নাড়ুন যাতে বীজ সমানভাবে শোধিত হয়। বেশি সময় নাড়ালে বীজে ঘষর্ণ হয়ে ধুলো জমতে পারে।

**পর্য়োগের সময়:**
সি.আই.বি. নিদের্শিকা অনুসরণ করুন।

**বয্বহারকারীদের জনয্ সতকর্তা:**
দর্বণ তৈরির জনয্ রান্নার পাতর্ বয্বহার করবেন না। দর্বণ নাড়ার জনয্ কাঠের লাঠি বয্বহার করুন। তব্ককে স্পশর্ থেকে রক্ষা করতে দস্তানা পরুন। শব্াসের মাধ্যমে ভেতরে পর্বেশ এবং চোখের সংস্পশর্ এড়িয়ে চলুন। ছিটানোর সময় মাস্ক, চশমা, বুট ইতয্াদি সুরক্ষামূলক পোশাক পরিধান করুন। পণয্ বহন, সংরক্ষণ বা বয্বহারের সময় খাওয়া, পান করা বা ধূমপান করবেন না। কাজ শেষে সাবান ও পর্চুর পানি দিয়ে হাত ধুয়ে নিন। বয্বহৃত কাপড় পরিবতর্ন করে ভালোভাবে ধুয়ে নিন।

**বিষকির্য়ার লক্ষণ:**
বিষকির্য়ার ফলে শরীরে শিথিলতা, মৃগীর মতো খিঁচুনি এবং প্টোসিস হতে পারে।

**পর্াথমিক চিকিৎসা:**
আকর্ান্ত বয্ক্তিকে দূষিত স্থান থেকে বাতাস চলাচলকারী ঘর বা খোলা জায়গায় নিয়ে যান এবং তাপ থেকে রক্ষা করুন। লক্ষণ দেখা দিলে দর্ুত চিকিৎসক ডাকুন। তব্কে লাগলে: দূষিত পোশাক খুলে আকর্ান্ত অংশ সাবান ও পানি দিয়ে ভালোভাবে ধুয়ে ফেলুন। চোখে পড়লে: কিছুক্ষণ পরিষ্কার পানি দিয়ে চোখ ভালোভাবে ধুয়ে নিন। গিলে ফেললে: পানিতে মেডিসিনাল চারকোল মিশিয়ে বারবার দিন। নিদের্শনা: অচেতন রোগীকে মুখ দিয়ে কিছুই দেওয়া যাবে না। বমি করানোর চেষ্টা করবেন না।

**উদ্ভিদ বিষাক্ততা:**
নিধর্ারিত মাতর্া অনুযায়ী বয্বহার করলে ফসলের জনয্ বিষাক্ত নয়।

**পর্তিষেধক:**
কোনো নিদির্ষ্ট পর্তিষেধক নেই। লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা করুন।

**খালি পাতের্র নিষ্পত্তি:**
1. পরিবেশ দূষণ এড়াতে খালি পাতর্, অবশিষ্ট দর্বণ/পদাথর্ এবং যন্তর্ ধোয়ার পানি নিরাপদ স্থানে নিষ্পত্তি করুন।
2. বয্বহৃত পাতর্/পয্াকেট খোলা অবস্থায় ফেলে রাখবেন না যাতে পুনরায় বয্বহার না করা যায়।
3. পাতর্/পয্াকেট ভেঙে জনবসতি থেকে দূরে মাটিতে পুঁতে ফেলুন।

**সংরক্ষণের শতর্াবলি:**
1. কীটনাশকের পাতর্ খাদয্ সংরক্ষণের স্থান থেকে দূরে, আলাদা ঘর বা তালাবদ্ধ আলমারিতে রাখুন।
2. সংরক্ষণের জনয্ বয্বহৃত ঘর বা ভবন মজবুত, শুকনো, আলোকিত ও বাতাস চলাচলযোগয্ হওয়া উচিত এবং বাষ্পজনিত দূষণ রোধের জনয্ পযর্াপ্ত জায়গা থাকতে হবে।

**রাসায়নিক সংমিশর্ণ:**

| কর্মিক নং | উপাদান | বিবরণ | পরিমাণ |
|---|---|---|---|
| 1 | থায়ামেথোক্সাম সক্রিয় উপাদান | - | 30.00% ওজন অনুযায়ী |
| 2 | গ্লিসারিন | - | 5.10% ওজন অনুযায়ী |
| 3 | মোনাজো রং | (ইরগালিথ রেড সি 2 বি) | 3.40% ওজন অনুযায়ী |
| 4 | বিউটানল কোপলিমার | | 4.30% ওজন অনুযায়ী |
| 5 | 1,2-বেঞ্জিসোথিয়াজোল-3-ওন | - | 0.20% ওজন অনুযায়ী |
| 6 | পলিথিন গ্লাইকোল | - | 2.60% ওজন অনুযায়ী |
| 7 | পানি | - | প্রয়োজন অনুযায়ী ওজন অনুযায়ী |
| | **মোট** | - | **100% ওজন অনুযায়ী** |

**সতর্কতা:"এই লেবেল/পুস্তিকায় উল্লিখিত ফসল ব্যতীত অন্য কোনো ফসলে ব্যবহার করবেন না।"**